https://www.facebook.com/Kamal.Sandesh/ www.kamalsandesh.org @kamalsandeshbjp

कमल संदेश

'कांग्रेस का रास्ता दलों को तोड़ने का है, हमारा रास्ता दिलों को जोड़ने का है'

वर्ष-14, अंक-02 16-31 जनवरी, 2019 (पाक्षिक) ₹20

अबकी बार फिर मोदी सरकार

भाजपा राष्ट्रीय अधिवेशन

BJP NATIONAL CONVENTION

11-12 JANUARY, 2019

भाजपा राष्ट्रीय अधिवेशन

11 - 12 जनवरी, 2019

नई दिल्ली

अबकी बार फिर मोदी सरकार

'भाजपा संगठन नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में विजय हेतु कटिबद्ध होगा'

'किसान हितैषी यात्रा को अनवरत आगे बढ़ाएंगे'

'हम देश के गरीबों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में सफल हुए हैं'

नई दिल्ली स्थित रामलीला मैदान में आयोजित भाजपा राष्ट्रीय अधिवेशन की छवियां

भाजपा राष्ट्रीय अधिवेशन के आरंभ से पहले भाजपा ध्वज को फहराते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और साथ में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह व अन्य वरिष्ठ नेतागण

रामलीला मैदान (नई दिल्ली) में आयोजित भाजपा राष्ट्रीय अधिवेशन का दीप प्रज्जवलन कर शुभारंभ करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा वरिष्ठ नेता श्री लाल कृष्ण आडवाणी, डॉ. मुरली मनोहर जोशी और केंद्रीय मंत्री श्री राजनाथ सिंह

भाजपा राष्ट्रीय अधिवेशन के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह का स्वागत करते दिल्ली प्रदेश भाजपाध्यक्ष श्री मनोज तिवारी

भाजपा राष्ट्रीय अधिवेशन में अध्यक्षीय भाषण देते हुए भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
प्रभात झा

कार्यकारी संपादक
डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सहायक संपादक
संजीव कुमार सिन्हा

संपादक मंडल सदस्य
सत्यपाल
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
मुकेश कुमार

संपर्क
फोन: +91(11) 23381428

फैक्स
फैक्स: +91(11) 23387887

ई-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com

वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

07 **विपक्षी 'मजबूर सरकार' चाहते हैं, पर देश चाहता है 'मजबूत सरकार': अमित शाह**

भाजपा राष्ट्रीय अधिवेशन में ओजस्वी अध्यक्षीय भाषण देते हुए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने कहा कि देश की सुरक्षा, विकास और गौरव के लिए 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा का जीतना...

11 **'भाजपा संगठन नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में विजय हेतु कटिबद्ध होगा'**

भाजपा राष्ट्रीय अधिवेशन में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग, जहाजरानी एवं जल संसाधन मंत्री श्री नितिन गडकरी ने राजनीतिक प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जिसका...

18 **'किसान हितैषी यात्रा को अनवरत आगे बढ़ाएंगे'**

भाजपा राष्ट्रीय अधिवेशन में केंद्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह ने कृषि पर प्रस्ताव रखा, जिसका समर्थन महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस, भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष...

28 **कांग्रेस का रास्ता दलों को तोड़ने का है, हमारा रास्ता दिलों को जोड़ने का है: नरेन्द्र मोदी**

भाजपा राष्ट्रीय अधिवेशन के दूसरे दिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने प्रेरक समापन भाषण दिया, जिससे कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार...

22 **'हम देश के गरीबों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में सफल हुए हैं'**

भाजपा राष्ट्रीय अधिवेशन में केंद्रीय विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज ने गरीब कल्याण पर प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जिसका अनुमोदन झारखंड के मुख्यमंत्री श्री रघुबर दास, बिहार प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री...

32 **मोदी सरकार की नीतियों से गरीब और मध्यम वर्ग को सबसे ज्यादा फायदा कैसे हुआ?**

आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को आरक्षण देने के लिए संवैधानिक संशोधन विधेयक संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित कर दिया गया है...

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा मुद्रित, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, बी-2, सेक्टर-63, नोएडा (उ.प्र.)-201307 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। सम्पादक- प्रभात झा

twitter

@narendramodi

यह लड़ाई सल्तनत और संविधान में आस्था रखने वाले लोगों के बीच है। एक तरफ वे लोग हैं जिन्हें हर हाल में केवल अपनी सल्तनत बचाए रखनी है और दूसरी तरफ हम लोग हैं, जो बाबासाहेब अंबेडकर के संविधान को मानते हैं, उसके अनुसार चलते हैं।

@AmitShah

कांग्रेस के शासन में देश की राजनीति परिवारवाद, जातिवाद और तुष्टीकरण जैसे तीन नासूरों से ग्रस्त रही। परिवारवाद से लोकतंत्र निर्बल हुआ, जातिवाद से विकास थमा और तुष्टिकरण से समाज में कुंठा का निर्माण हुआ। मोदी जी के नेतृत्व ने देश को इन तीनों नासूरों से मुक्त किया है।

@Ramlal

देश के टुकड़े-टुकड़े गैंग पर चार्जशीट दायर। पर्याप्त व सटीक सबूतों के आधार पर देशद्रोह का आरोप। फिर भी कुछ नेता तथा कुछ बड़े पत्रकार उन पर दया दिखा रहे हैं, उन्हें बचाने का शर्मनाक प्रयास कर रहे हैं। क्या कहें इन्हें?

facebook

कुम्भ मानवता का सबसे बड़ा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक समागम है। इस परम्परा को हमारे ऋषि-मुनियों, श्रद्धालुओं तथा आम जनमानस ने हजारों वर्षों से सहेज कर रखा है। प्रत्येक वर्ष एक विशिष्ट नक्षत्रीय स्थिति में माघ माह में प्रयाग के त्रिवेणी संगम में श्रद्धालुओं को अमृत्व की प्राप्ति होती है। साढ़े चार सौ वर्षों में पहली बार "प्रयागराज कुम्भ-2019" के श्रद्धालुओं को अक्षयवट व सरस्वती कूप के दर्शन का अवसर प्राप्त होगा। यह कुम्भ श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षा व उत्कृष्ट व्यवस्था के लिए जाना जाएगा।

— योगी आदित्यनाथ

लालू प्रसाद को चारा घोटाला के चार मामलों में जो सजाएं सुनाई गई हैं, उसकी आधी अवधि भी जेल में बिताए बिना और बिना किसी ठोस आधार के केवल राजनीति करने के लिए बार-बार जमानत की मांग की जाती है, इसलिए उनकी याचिकाएं खारिज होती हैं। पूरी रणनीति भ्रष्टाचारी को पीड़ित प्रोजेक्ट कर भोले-भाले गरीबों की सहानुभूति बटोरने और न्यायपालिका को बदनाम करने की है।

—सुशील कुमार मोदी

'कमल संदेश' की ओर से
सुधी पाठकों को
गणतंत्र दिवस (26 जनवरी)
की हार्दिक शुभकामनाएं!

विश्वास से परिपूर्ण, आशा से लबालब भारत का उदय हो रहा है

भारत की राजधानी दिल्ली में 11–12 जनवरी 2019 को हुए भाजपा राष्ट्रीय अधिवेशन में देशभर से भारी संख्या में जुटे भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भारी उत्साह में सराबोर दिखे। पूरे जोशो–खरोश से भरे कार्यकर्ताओं के उमंग से पूरा वातावरण ऊर्जा से भर गया। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह द्वारा दिये गये उद्बोधन में सरकार एवं संगठन की उपलब्धियों को जिस प्रकार प्रस्तुत किया गया, उससे कार्यकर्ताओं का आत्मविश्वास कई गुणा अधिक बढ़ गया। केंद्रीय मंत्री श्री राजनाथ सिंह, श्री अरुण जेटली, श्री नितिन गडकरी, श्रीमती सुषमा स्वराज, भाजपा मुख्यमंत्रीगण और अन्य राष्ट्रीय नेताओं के भाषणों से मोदी सरकार द्वारा किये गये अद्वितीय कार्यों से तेजी से बदलते भारत का चित्र सबके मन–मस्तिष्क पर छा गया। भाजपा संगठन महामंत्री श्री रामलाल ने भाजपा के आगामी कार्यक्रमों का विवरण रखा, जिनके माध्यम से पार्टी का हर कार्यकर्ता जन–जन तक पहुंच सकता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे घर–घर जाकर पूरे आत्मविश्वास के साथ भाजपा की उपलब्धियों को बताएं और केन्द्र में पुनः एक मजबूत सरकार सुनिश्चित करें।

आज हर भारतीय मोदी सरकार की उपलब्धियों से गौरवान्वित है। यही कारण है कि आज पंचायत से लेकर पार्लियामेंट तक भारी संख्या में जनता मोदी सरकार की नीतियों एवं अथक प्रयासों का समर्थन कर रही है। भाजपा ने देश की जातिवाद एवं तुष्टीकरण की राजनीति को बदलकर विकास एवं सुशासन की राजनीति को स्थापित किया है।

पिछले चार–साढ़े चार वर्षों में पूरे देश में व्यापक परिवर्तन हुआ है। इतने व्यापक स्तर पर पहले कभी भी देश के गरीब से गरीब व्यक्ति के जीवन में सुधार नहीं हुआ था। इस व्यापक परिवर्तन में जो 'स्केल, स्पीड, स्किल' लगा वह अद्भुत है और पूरा विश्व अब एक नये भारत के उदय को मान रहा है। 'अंत्योदय' के सिद्धांत पर चलते हुए अनगिनत अभिनव योजनाओं के माध्यम से पंक्ति में खड़ा अंतिम व्यक्ति के जीवन में आमूल–चूल बदलाव लाया गया है। केंद्र में एक मजबूत सरकार के कारण अनेक मजबूत निर्णयों से देश की राजनैतिक संस्कृति सशक्त हुई है। कालेधन के विरुद्ध कई कानून बनाकर भ्रष्टाचार पर न केवल लगाम कसी गई, बल्कि एक भ्रष्टाचार–मुक्त सरकार देकर राजनैतिक शुचिता का एक नया इतिहास रचा गया। नोटबंदी एवं जीएसटी के माध्यम से अर्थव्यवस्था में नये प्राण डाले गये। भारत को विश्व की सबसे तेज गति की विकास दर तथा छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का श्रेय निश्चित रूप से मोदी सरकार के पिछले साढ़े चार वर्षों के अथक प्रयासों को जाता है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था तथा किसानों के जीवन में व्यापक सुधार के लिए किये गये कार्यों के परिणाम अब सामने आने लगे हैं। लगभग हर क्षेत्र की उपलब्धियां अभूतपूर्व है जिससे हर भारतीय गौरवान्वित महसूस कर रहा है तथा अपने भविष्य को लेकर आश्वस्त है। कांग्रेस नीत यूपीए के निराशा भरे युग का अंत हो चुका है और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सकारात्मक ऊर्जा से भरे, विश्वास से परिपूर्ण एवं आशा से लबालब भारत का उदय हो रहा है।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने ठीक ही कहा कि हर कार्यकर्ता अपना सिर ऊंचा रखकर जन–जन से संपर्क कर सकता है। ऐसा इसलिए है कि उनके पास गिनाने के लिए बड़ी संख्या में उपलब्धियां हैं, जिसने हर भारतीय के जीवन को प्रभावित किया है। आज हर भारतीय मोदी सरकार की उपलब्धियों से गौरवान्वित है। यही कारण है कि आज पंचायत से लेकर पार्लियामेंट तक भारी संख्या में जनता मोदी सरकार की नीतियों एवं अथक प्रयासों का समर्थन कर रही है। आज 16 राज्यों में भाजपा ने या तो सरकार बनाई है, अथवा सरकार में भागीदार है। इसी से पता चलता है कि पिछले साढ़े चार वर्षों में भाजपा के पक्ष में कितना जनसमर्थन बढ़ा है। भाजपा ने देश की जातिवाद एवं तुष्टीकरण की राजनीति को बदलकर विकास एवं सुशासन की राजनीति को स्थापित किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी पूरे देश के लिए आशा की किरण बनकर उभरे हैं और आत्मविश्वास से भरे उभरते भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इनमें देश समर्पित नेता को देखता है जो देश की संभावनाओं को यथार्थ में बदलने के लिए कड़ी एवं ईमानदार मेहनत कर रहा है। आज हर कार्यकर्ता का यह परम कर्तव्य है कि वह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का संदेश जन–जन तक पहुंचाये और लोकसभा चुनाव 2019 में भाजपा की भारी विजय सुनिश्चित करें। जब हर कार्यकर्ता पूरा समर्पण एवं आत्मविश्वास से जन–जन तक पहुंचेगा और श्री नरेन्द्र मोदी को पुनः प्रधानमंत्री बनायेगा, तब यह देश के लिये हरेक का सच्चा योगदान होगा। ■

shivshakti@kamalsandesh.org

'अबकी बार फिर मोदी सरकार' के संकल्प के साथ संपन्न हुआ भाजपा राष्ट्रीय अधिवेशन

भारतीय जनता पार्टी का दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन 11 एवं 12 जनवरी 2018 को रामलीला मैदान, नई दिल्ली में 'अबकी बार फिर मोदी सरकार' के संकल्प के साथ संपन्न हुआ। प्रतिनिधियों का उत्साह देखते ही बनता था। अधिवेशन स्थल 'भारत माता की जय' के नारे से गुंजायमान हो रहा था। इस अधिवेशन का उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने पार्टी ध्वज फहराकर किया। बैठक की शुरुआत राष्ट्रगीत वंदेमातरम् के गायन से हुई। दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री मनोज तिवारी ने स्वागत भाषण दिया। इस अधिवेशन में सामान्य श्रेणी के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को 10 प्रतिशत आरक्षण को संसद की मंजूरी और छोटे कारोबारियों एवं मध्यम उद्योगों को जीएसटी छूट के फैसले के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

अधिवेशन में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने ओजस्वी एवं सारगर्भित अध्यक्षीय भाषण दिया। राजनीतिक, कृषि एवं गरीब कल्याण पर कुल तीन प्रस्ताव पारित किए गए। भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) श्री रामलाल ने अपने भाषण में संगठन सशक्तिकरण पर बल देते हुए आगामी लोकसभा चुनाव की दृष्टि से बूथ मैनेजमेंट को सुदृढ़ करने एवं मतदाताओं से संपर्क करने पर बल दिया। अधिवेशन के दूसरे दिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने प्रेरक समापन भाषण दिया। अधिवेशन में भाजपानीत केंद्र सरकार की उपलब्धियों पर केंद्रित प्रदर्शनी भी लगाई गई थी।

विपक्षी 'मजबूर सरकार' चाहते हैं, पर देश चाहता है 'मजबूत सरकार': अमित शाह

भाजपा राष्ट्रीय अधिवेशन में ओजस्वी अध्यक्षीय भाषण देते हुए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने कहा कि 2019 का लोक सभा चुनाव दो विचारधारा के बीच का चुनाव है। एक ओर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में "सबका साथ, सबका विकास" के सिद्धांत के साथ 35 दलों का एनडीए गठबंधन है, वहीं दूसरी ओर स्वार्थ और सत्ता के बीच कांग्रेस एंड कंपनी का ऐसा ठगबंधन है जिसका न तो कोई नेता है, न नीति और न ही सिद्धांत।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने 11 जनवरी को नई दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान से हुंकार करते हुए दो दिनों तक चलने वाली पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन की शुरुआत की। पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, पूर्व अध्यक्ष एवं पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री लालकृष्ण आडवाणी, श्री मुरली मनोहर जोशी, राज्यों के मुख्यमंत्री/उप-मुख्यमंत्री, केंद्र सरकार में मंत्री, पार्टी के राष्ट्रीय पदाधिकारीगण, भाजपा के सभी जन-प्रतिनिधि एवं राज्यों के पार्टी पदाधिकारी उपस्थित थे।

पिछले चार दिनों में ही मोदी सरकार के दो ऐतिहासिक निर्णय

श्री शाह ने कहा कि 2019 की शुरुआत में ही मोदी सरकार ने दो ऐसे ऐतिहासिक फैसले लिए हैं जो देश के करोड़ों युवाओं और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों व छोटे व्यापारियों के निर्णायक एवं लाभदायी सिद्ध होंगे। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने 124वां संविधान संशोधन करके देश के करोड़ों युवाओं के स्वप्न को साकार किया है। इसके लिए मैं पार्टी के करोड़ों कार्यकर्ताओं की ओर से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का हार्दिक अभिनंदन करता हूं एवं उन्हें बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने 40 लाख टर्नओवर करने वाले छोटे उद्यमों, दुकानों को जीएसटी रजिस्ट्रेशन के दायरे से बाहर करने का निर्णय लेकर छोटे व्यापारियों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को बड़ी राहत दी है। इतना ही नहीं, एक करोड़ रुपये का टर्नओवर करने वाले उद्योगों को अब केवल 1% जीएसटी देनी होगी, यह अपने आप में एक बहुत बड़ा कदम है।

2019 का चुनाव काफी महत्वपूर्ण

पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से 2019 में फिर से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की पूर्ण बहुमत सरकार बनाने का संकल्प करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह अधिवेशन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'न्यू india' के स्वप्न को साकार करने के लिए संकल्प लेने वाला अधिवेशन है। यह स्वामी विवेकानंद जी के सपनों को साकार करने का संकल्प लेने वाला अधिवेशन है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को एवं देश की जनता को मकर संक्रांति और पोंगल की अग्रिम बधाई भी दी।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि यह भारतीय जनता पार्टी का पहला ऐसा राष्ट्रीय अधिवेशन है जो युगद्रष्टा अटल बिहारी वाजपेयी जी के बिना हो रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी को घर-घर पहुंचाने में श्रद्धेय अटल जी और श्री लालकृष्ण आडवाणी की भूमिका

अप्रतिम रही है। उन्होंने कहा कि भले ही अटल जी हमारे साथ नहीं हैं, लेकिन उनका आशीर्वाद सदैव हमारे साथ है। रामलीला मैदान की ऐतिहासिकता का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि 2019 का चुनाव देश के गांव, गरीब, युवाओं एवं महिलाओं के लिए काफी महत्वपूर्ण है। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में दुनिया भर में भारत को गौरव दिलाने की विकास यात्रा आगे भी अनवरत रूप से जारी रहेगी।

श्री शाह ने कहा कि 2019 का लोक सभा चुनाव दो विचारधारा के बीच का चुनाव है। एक ओर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में "सबका साथ, सबका विकास" के सिद्धांत के साथ 35 दलों का एनडीए गठबंधन है, वहीं दूसरी ओर स्वार्थ और सत्ता के बीच कांग्रेस एंड कंपनी का ऐसा ठगबंधन है जिसका न तो कोई नेता है, न नीति और न ही सिद्धांत। उन्होंने मराठा सैनिकों की बहादुरी एवं उससे सम्बद्ध ऐतिहासिक तथ्यों को उद्धृत करते हुए कहा कि 131 युद्ध जीतनेवाली मराठा सेना के एक युद्ध हारने के कारण देश 200 वर्षों तक गुलामी की बेड़ियों में जकड़ा रहा, इसलिए 2019 का चुनाव और भी महत्वपूर्ण हो जाता है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि 1950 में स्थापना से लेकर आज तक भारतीय जनता पार्टी की विकास यात्रा कई उतार-चढ़ाव से होती हुई यहां तक पहुंची है। उन्होंने कहा कि 2014 में देश की जनता ने पहली बार पूर्ण बहुमत की किसी गैर-कांग्रेसी सरकार को चुना। 2014 में जब मोदी सरकार सत्ता में आई तब केवल 6 राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की सरकार थी जबकि आज 16 राज्यों में भाजपा की सरकार है जो निरंतर भाव से जनता की सेवा में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि आज 11 करोड़ सदस्यों के साथ भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के रूप में प्रतिष्ठित हुई है। संगठन बूथ स्तर तक पहुंचा है। 2019 का चुनाव देश के विकास और स्थायित्व का चुनाव है। उन्होंने कहा की देश की जनता प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के पीछे चट्टान की तरह खड़ी है और भारतीय जनता पार्टी की विजय निश्चित है।

विपक्ष का महागठबंधन मात्र एक ढकोसला

तथाकथित महागठबंधन पर कड़ा प्रहार करते हुए श्री शाह ने कहा कि गठबंधन एक ढकोसला मात्र है जिसके पास न तो नेतृत्व है और न ही कोई नीति। उन्होंने कहा कि 2014 में भी इस गठबंधन के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी ने विजय हासिल की थी, हम 2019 में भी जीत हासिल करेंगे। उन्होंने उत्तर प्रदेश का उदाहरण देते हुए कहा कि यूपी के विधान सभा चुनाव में भी हमने इस गठबंधन के खिलाफ शानदार जीत दर्ज करते हुए 325 सीटों पर विजय हासिल की थी। लोक सभा चुनाव में भी भारतीय जनता पार्टी ऐतिहासिक जीत दर्ज करेगी। यूपी में हमारी सीटें 73 से 74 होगी, 72 नहीं। हमें हमारी विजय का पूर्ण विश्वास है। उन्होंने गठबंधन पर हमला जारी रखते हुए कहा कि एक-दूसरे के विरोध की राजनीति करने वाले आज एक साथ आने पर मजबूर हुए हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि गठबंधन के सभी दल यह मान चुके हैं कि वे अकेले भारतीय जनता पार्टी को हरा नहीं सकते। यह हमारे नेतृत्व की ताकत है।

विकास का दूसरा नाम मोदी सरकार

कांग्रेस परिवार पर निशाना साधते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि आजादी के बाद से देश में 55 सालों तक एक ही पार्टी और एक ही परिवार का पंचायत से लेकर पार्लियामेंट तक शासन रहा है लेकिन देश के गांव, गरीब और किसान की भलाई के लिए उन्होंने कभी कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के 55 साल की सरकार में लगभग 60 करोड़ लोगों के पास अपना कोई बैंक अकाउंट नहीं था। केवल 12 लाख लोगों के पास गैस कनेक्शन था, महिलायें खुले में शौच के लिए जाने को मजबूर थी, लेकिन मोदी सरकार के पांच साल के ही सुशासन में 31 करोड़ से अधिक लोगों के बैंक अकाउंट खोले गए। 6 करोड़ से अधिक गरीब महिलाओं को गैस कनेक्शन उपलब्ध कराये गए, लगभग 9 करोड़ शौचालय का निर्माण किया गया, ढ़ाई करोड़ घर बनाए गए। देश के 95% घरों में बिजली उपलब्ध कराई गई और 13 करोड़ बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण किया गया।

गरीबों के स्वास्थ्य के लिए मोदी सरकार द्वारा शुरू की गई विश्व की सबसे बड़ी और ऐतिहासिक "आयुष्मान भारत" का जिक्र करते हुए श्री शाह ने कहा कि देश के लगभग 10 करोड़ परिवारों अर्थात् 50 करोड़ लोगों के लिए पांच लाख रुपये प्रतिवर्ष तक के स्वास्थ्य बीमा की शुरुआत की गई जो गरीब लोगों के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव लाने में सहायक हो रहा है। कुछ ही महीने में देश के लगभग 6 करोड़ गरीब इस योजना से लाभान्वित हुए हैं। मैं गरीबों के जिंदगी में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाले और गरीबों के स्वास्थ्य की चिंता करने के लिए मैं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का हार्दिक अभिनंदन करता हूं।

देश की सुरक्षा मोदी सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि देश की सुरक्षा मोदी सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की सोनिया-मनमोहन सरकार में सीमा पर लगातार आतंकवादी हमले होते रहते थे लेकिन मोदी सरकार में खुली छूट दी गई है, अब गोली का जवाब गोले से दिया जाता है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने एक वर्ष में ही ओआरओपी लागू कर सैनिकों को सम्मान के साथ जीने का अधिकार दिया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने आतंकवाद, नक्सलवाद और माओवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ी है और

इनका खात्मा करने के लिए कारगर कदम उठाये हैं। उन्होंने कहा कि सोनिया-मनमोहन सरकार की तुलना में आतंकवादियों को मौत के घाट उतारने में 218% की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक से आतंकवादियों को उसी की भाषा में जवाब दिया गया है और इस एक निर्णय से दुनिया का भारत को देखने के नजरिये में बदलाव आया है।

एनआरसी को लेकर कांग्रेस एंड कंपनी को आड़े हाथों लेते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि एनआरसी अवैध घुसपैठियों को चिह्नित करने की व्यवस्था है, लेकिन हमने जैसे ही असम में घुसपैठियों की पहचान शुरू की तो राहुल गांधी एंड कंपनी अवैध घुसपैठियों के बचाव में आ गए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को घुसपैठियों के मानवाधिकार की चिंता तो है लेकिन देश के नागरिकों की सुरक्षा, उनके अधिकारों और उनके मानवाधिकार की चिंता नहीं है। राहुल गांधी पर हमला जारी रखते हुए उन्होंने कहा कि अवैध घुसपैठ और एनआरसी के मुद्दे पर राहुल गांधी देश की जनता के सामने अपना रुख साफ़ करें। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के लिए देश की सुरक्षा महत्वपूर्ण है, लेकिन राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी के लिए वोट बैंक महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि 2019 में फिर से मोदी सरकार बनने के बाद चुन-चुन कर अवैध घुसपैठियों की पहचान की जायेगी और उन्हें देश से बाहर निकालने की व्यवस्था की जायेगी।

सोनिया गांधी और राहुल गांधी दोनों 5000 करोड़ रुपये के फ्रॉड में बेल पर हैं। दोनों पर 600 करोड़ रुपये का इनकम टैक्स के गबन का मामला अदालत में चल रहा है। इतना ही नहीं, सोनिया गांधी और राहुल गांधी, दोनों पर हड़पी हुई प्रोपर्टी को खाली कराने का अदालत का नोटिस पेंडिंग है और ये मां-बेटे बिना किसी आधार के हम पर आरोप लगा रहे हैं।

दुनिया का देश को देखने का नजरिया बदला

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में दुनिया भर में भारतवर्ष के मान-सम्मान में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा की दाभोस में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का उद्घाटन भाषण, पेरिस जलवायु समझौते में भारत की अग्रणी भूमिका, संयुक्त राष्ट्र में प्रधानमंत्री जी का संबोधन और अमेरिकी संसद में श्री नरेन्द्र भाई मोदी का उद्बोधन भारत की बदलती दास्तां बयां करता है। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान, संयुक्त अरब अमीरात और इजरायल जैसे कई देशों ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से विभूषित किया है। प्रधानमंत्री के एक आह्वान पर पूरे विश्व ने समवेत स्वर में योग को योग दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। इतना ही नहीं, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को संयुक्त राष्ट्र ने 'चैम्पियन ऑफ़ अर्थ' अवार्ड से सम्मानित किया। प्रयागराज में हो रहे कुंभ को विश्व धरोहर घोषित किया है।

मोदी सरकार में भ्रष्टाचारियों पर आफत

श्री शाह ने कहा कि कांग्रेस की सोनिया-मनमोहन सरकार में 10 वर्षों के शासन में 12 लाख करोड़ रुपये के घपले-घोटाले हुए थे। यूपीए सरकार में हर तरफ भ्रष्टाचार का बोलबाला था जबकि मोदी सरकार के पांच वर्षों में भ्रष्टाचार पर पूरी तरह से नकेल कसा गया। उन्होंने कहा कि सबसे पहले मोदी सरकार ने SIT का गठन कर काले-धन के खिलाफ एक निर्णायक लड़ाई की शुरुआत की। बेनामी संपत्ति क़ानून लाकर भ्रष्टाचार पर कड़ा प्रहार किया गया। फ्यूजिटिव ऑफेंडर्स बिल के जरिये देश की संपत्ति लूट कर भाग जाने वालों को क़ानून के दायरे में लाया गया और नोटबंदी के जरिये तीन लाख से अधिक फर्जी कंपनियों को रद्द करने का साहसिक कदम उठाया गया। बैंकरप्सी एंड इन्सोल्वेंसी कोड के जरिये 80 हजार करोड़ रुपये देश के खजाने में लाये गए। साथ ही अन्य 70 हजार करोड़ रुपये और आने वाले हैं। डीबीटी के जरिये 80 हजार करोड़ रुपये सालाना की बचत की गई है। ई-नीलामी और जीएसटी से भी करों की चोरी रोकी गई है।

भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी हुई है कांग्रेस पार्टी और 'एक परिवार'

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि यह कितना हास्यास्पद है कि भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी कांग्रेस पार्टी हम पर झूठे आरोप लगा रही है। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी दोनों 5000 करोड़ रुपये के फ्रॉड में बेल पर हैं। दोनों पर 600 करोड़ रुपये का इनकम टैक्स के गबन का मामला अदालत में चल रहा है। इतना ही नहीं, सोनिया गांधी और राहुल गांधी, दोनों पर हड़पी हुई प्रोपर्टी को खाली कराने का अदालत का नोटिस पेंडिंग है और ये मां-बेटे बिना किसी आधार के हम पर आरोप लगा रहे हैं। राफेल मुद्दे की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि राहुल गांधी एंड कंपनी ने राफेल पर बेबुनियाद आरोप लगाया। हमने सार्वजनिक रूप से कहा कि जिनके पास भी राफेल से जुड़े तथ्य हों, वे सुप्रीम कोर्ट जाएं लेकिन कांग्रेस ने अपनी 'बी' टीम को राफेल के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट भेजा। सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि राफेल डील में कोई अनियमितता नहीं हुई है और इसमें आगे जांच की कोई जरूरत नहीं है। हम बार-बार राफेल पर कांग्रेस एंड कंपनी से राफेल पर संसद में चर्चा करने की, अपील की लेकिन पहले वे तैयार नहीं हुए। जब संसद में राफेल पर चर्चा हुई तो रक्षा मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण

ने ढ़ाई घंटे तक एक-एक प्रश्नों के जवाब दिए और राफेल पर राहुल गांधी के झूठ की पोल खोल कर रख दी। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से राफेल पर श्रीमती निर्मला सीतारमण के उद्बोधन को सुनने की अपील करते हुए कहा कि झूठ के पांव नहीं होते और राहुल गांधी की हर झूठ का पर्दाफ़ाश हो गया है।

श्री शाह ने कहा कि कांग्रेस सरकार के दौरान हर रक्षा सौदे में कांग्रेस दलाली में शामिल रही है। आज मिशेल मामा पकड़े गए हैं, कांग्रेस घबराई हुई है। क्वात्रोच्चि से कांग्रेस परिवार का रिश्ता किसी से छुपा हुआ नहीं है। कांग्रेस पार्टी को अपनी चार पीढ़ियों का हिसाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का पूरा इतिहास भ्रष्टाचार और घोटाले से भरा पड़ा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी को यह भी बताना चाहिए कि आखिर विजय माल्या, नीरव मोदी और मेहुल चौकसी कांग्रेस की यूपीए के सरकार में भागते क्यों नहीं थे जबकि इन लोगों ने सारे घोटाले सोनिया-मनमोहन सरकार में ही किये। विजय माल्या, नीरव मोदी और मेहुल चौकसी सोनिया-मनमोहन सरकार के समय इसलिए नहीं भागे, क्योंकि उनकी सत्ता में भागीदारी थी। उन्होंने कहा कि आज चौकीदार सत्ता में आया है तो उन्हें भागना पड़ा है। चौकीदार सब चोरों को पकड़ के लायेंगे, किसी को भी छोड़ा नहीं जाएगा और देश से लूटा गया धन उन्हें वापिस देश को लौटाना पड़ेगा।

कांग्रेस सरकार के दौरान हर रक्षा सौदे में कांग्रेस दलाली में शामिल रही है। आज मिशेल मामा पकडे गए हैं, कांग्रेस घबराई हुई है। क्वात्रोच्चि से कांग्रेस परिवार का रिश्ता किसी से छुपा हुआ नहीं है। कांग्रेस पार्टी को अपनी चार पीढ़ियों का हिसाब देना चाहिए। कांग्रेस का पूरा इतिहास भ्रष्टाचार और घोटाले से भरा पड़ा है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि कृषि और किसानों की भलाई के लिए कई कार्य किये गए हैं। कृषि फसलों की ऊपज कई गुना बढ़ी है और समर्थन मूल्य में डेढ़ गुना वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि हर वर्ग के लिए और हर क्षेत्र के विकास के लिए मोदी सरकार ने विकास की परिभाषा को नया रूप दिया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार में भारत विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में प्रतिष्ठित हुई है। उन्होंने कहा कि हमने बैंकों के बैलेंस-शीट को सही करने का बीड़ा उठाया।

श्री शाह ने कहा कि स्वच्छता, नमामि गंगे और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जन-जन का आन्दोलन बना है। उन्होंने कहा कि कई सरकारें 50 वर्ष में 1-2 ऐतिहासिक कार्य करती हैं जबकि मोदी सरकार ने पांच वर्षों में 50 से भी अधिक ऐसे कार्य किये हैं जो ऐतिहासिक हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने काले-धन और सिखों के नरसंहार के लिए एसआईटी बनाई, ढ़ाई हजार से ज्यादा सिख परिवार को न्याय मिला। एनआरसी तैयार किया गया और नागरिकता बिल संशोधन पेश किया गया। उन्होंने कहा कि हमने बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से प्रताड़ित एवं शरणार्थी हिन्दू, सिख, ईसाई, बौद्ध, जैन को भारत की नागरिकता देने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि ऐसे फैसले सदियों में एक बार लिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने लोगों को अच्छे लगने वाले फैसले के बजाय लोगों के अच्छे के लिए फैसले लिए हैं।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि सुभाष चन्द्र बोस के नाम पर अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के द्वीप का नामकरण किया गया। करतारपुर साहिब कॉरिडोर खोलने का निर्णय मोदी सरकार के कार्यकाल में किया गया। कांग्रेस जवाब दे कि आखिर क्यों करतारपुर साहिब को भारत से अलग होने दिया गया। उन्होंने कहा कि हमने देश की एकता और अखंडता के अग्रदूत सरदार वल्लभ भाई पटेल की स्मृति में हमने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का निर्माण किया।

राम मंदिर के निर्माण के लिए कटिबद्ध

राम मंदिर पर बोलते हुए श्री शाह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी चाहती है कि उसी स्थान पर भव्य राम मंदिर का निर्माण हो और यह जल्द से जल्द हो। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है, हम जल्द सुनवाई के लिए प्रयास कर रहे हैं, लेकिन कांग्रेस एंड कंपनी सुनवाई को लटकाने के लिए लगातार प्रयत्न कर रही है। कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट में सुनिवाई को टालने के लिए दलीलें दी। उन्होंने कहा कि मैं आश्वस्त करता हूं कि संवैधानिक तरीके से भव्य राम मंदिर बनाने के लिए हम कटिबद्ध थे, हैं और आगे भी रहेंगे।

मोदी जी के नेतृत्व में नए भारत का स्वप्न होगा साकार

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में हमने 2022 में एक नए भारत का सपना देखा है। एक ऐसा भारत जो गरीबी, गंदगी, बीमारी, भ्रष्टाचार, जातिवाद, आतंकवाद, तुष्टिकरण और बेरोजगारी से मुक्त हो। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के रूप में दुनिया का सर्वाधिक लोकप्रिय प्रधानमंत्री, एक विजनरी प्रधानमंत्री, एक पारदर्शी प्रधानमंत्री, एक परिश्रमी प्रधानमंत्री और एक अजेय योद्धा प्रधानमंत्री हमारा नेतृत्व कर रहे हैं, 2019 में हमारी विजय सुनिश्चित है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि आप एक बार फिर से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बना दीजिये, भारत को विश्वगुरु के पद पर प्रतिष्ठित होने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि तथाकथित महागठबंधन 'मजबूर सरकार' चाहती है जबकि देश की जनता 'मजबूत सरकार' चाहती है। ■

'भाजपा संगठन नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में विजय हेतु कटिबद्ध होगा'

भाजपा राष्ट्रीय अधिवेशन में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग, जहाजरानी एवं जल संसाधन मंत्री श्री नितिन गडकरी ने राजनीतिक प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जिसका अनुमोदन केंद्रीय वित्तमंत्री श्री अरुण जेटली, केंद्रीय रक्षा मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, पूर्व केंद्रीय रेलमंत्री श्री मुकुल रॉय, असम के स्वास्थ्य मंत्री श्री हेमंत विश्वशर्मा एवं उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने किया।

इस प्रस्ताव में कहा गया है कि पार्टी कार्यकर्ताओं की मेहनत से 5 सालों में पार्टी की प्रचंड शक्ति बनी है और उसका प्रतिफल यह है कि मोदी सरकार के द्वारा हर क्षेत्र का विकास हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी के द्वारा भारत के गौरव का विस्तार एवं उनकी लोकप्रियता को जनसमर्थन में बदलने में भाजपा संगठन सफल हुआ है। देश की जनता 2019 के चुनावों में पुनः प्रधानमंत्री श्री मोदी को नेतृत्व सौपना चाहती है। भाजपा संगठन लोकतंत्र के इस उत्सव में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विजय हेतु कटिबद्ध है। भाजपा देश की जनता से 2019 के चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी की विजय के लिए आह्वान करती है।

हम यहां राजनीतिक प्रस्ताव का पूरा पाठ प्रकाशित कर रहे हैं:–

भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में केंद्र में अपने साढ़े चार साल का कार्यकाल पूरा कर चुकी है। इस कार्यकाल में भारत एक बड़ी वैश्विक शक्ति के रूप में उभरा है जिसकी बात अब अंतरराष्ट्रीय समुदाय में सम्मान के साथ सुनी जाती है और हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को एक वैश्विक राजनेता के रूप में देखा जाता है। यह सब कुछ दृढ़ निश्चय, कड़ी मेहनत और एक अच्छे प्रशासन के बिना संभव नहीं था। आज समूचे विश्व में भारत तेजी से बढ़ती हुई बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और इस तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था में हर वर्ग के समावेशी विकास के मॉडल को एक विशेष पहचान भी मिली है। देश में एक अच्छे प्रशासन के लिए perform, reform और transform के द्वारा विकास की आधारशिला रखी गई है। वैश्विक संस्थाएं भी भारत की इस असाधारण सफलता की पुष्टि करती हैं। विकास की इस बहती गंगा में समाज का हर वर्ग अपना उत्थान और सशक्तीकरण महसूस कर रहा है, जो हमारी मौलिक सोच सबका साथ सबका विकास का परिणाम है।

आज से साढ़े चार वर्ष पहले जब श्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री का पदभार संभाला था उस समय देश कई प्रकार की समस्याओं से जूझ रहा था। भारत की अर्थव्यवस्था उस समय महंगाई (मुद्रास्फीति दर 10.4% UPA-II के समय) और धीमी विकास दर (2013-14 में 6.4%), निवेशकों के भारतीय बाजार में अविश्वास से तो जूझ ही रही थी साथ ही अंतर्राष्ट्रीय क्रेडिट एजेंसियों द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था की रेटिंग को डाउनग्रेड भी कर दिया गया था। भारत को विश्व की "फ्रेजाईल फाइव" अर्थव्यवस्था के तौर पर देखा जा रहा था। राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण बैंकों द्वारा अंधाधुंध ऋण दिए गए, जिसके कारण बैंकों का नॉन परफार्मिंग असेट बहुत बढ़ गया। भ्रष्टाचार अपनी चरम सीमा पर था और देश पॉलिसी पैरालिसिस या नीतिगत पक्षाघात से जूझ रहा था। वैश्विक स्तर पर भारत की अर्थव्यवस्था की विश्वनीयता बहुत नीचे आ गई थी। सुरक्षा बलों का मनोबल भी टूट गया था और यू०पी०ए० सरकार के नेता भी वोट बैंक के लिए आतंक के आरोपियों से सहानुभूति दर्शाते थे और बड़ी बेशर्मी से भारत के भगवा धरोहर को भगवा आतंक का नाम देते थे। इस घनघोर निराशा के माहौल में, इसी राम लीला मैदान में लगभग पांच साल पहले भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रीय अधिवेशन हुआ था जहां हम सभी ने नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश के उज्जवल भविष्य के निर्माण का प्रण लिया था।

विकास के केंद्र में गरीब:

ऐतिहासिक विजय के बाद, संसदीय दल के नेता चुने जाने पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने दिल को छू लेने वाली घोषणा की थी और कहा था, "मेरी सरकार गरीबों के लिए काम करेगी और वो उनके भले के लिए प्रतिबद्ध रहेगी।" पिछले साढ़े चार सालों में गरीबों के कल्याण हेतु बनाए गए कार्यक्रमों को समय पर लागू किया गया, जिसके परिणाम स्वरुप आज हमारे गरीब भाइयों और बहनों के चेहरे पर मुस्कुराहट दिख रही है। जनधन कार्यक्रम की असाधारण सफलता, जिसने 33 करोड़ गरीब लोगों को सुव्यवस्थित बैंकिग नेटवर्क से जोड़ा और उनके खातों को आधार तथा मोबाइल से लिंक किया। इसी के साथ गरीब लाभार्थियों के खातों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के द्वारा कुल 5 लाख 50 हजार करोड़ रुपये ट्रांसफर किए गए, जिसकी वजह से 90,000 करोड़ रुपये बिचौलियों और फर्जी दावेदारों की जेबों में जाने से बचा लिए गए। ऐसा होना, समावेशी विकास के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि है। इन 33 करोड़ बैंक खातों में 53 प्रतिशत खाताधारी महिलाएं हैं और 59 प्रतिशत खाते ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों से हैं। विश्व बैंक की फिंडेक्स रिपोर्ट 2017 में भी भारत द्वारा विश्व का सबसे बड़ा वित्तीय समावेषण कार्यक्रम लागू करने के लिए जन धन योजना की प्रशंसा की गयी है।

विकास की इस कहानी के कुछ निर्धारित लक्ष्य थे- सभी को बैंकिंग सुविधाएं मुहैया कराना; जरूरतमंद को पूंजी उपलब्ध कराना; सभी को समाजिक सुरक्षा के दायरे में लाना और सभी को पेंशन प्रदान करना। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और अटल पेंशन योजना के द्वारा कम कीमत पर दुर्घटना बीमा, जीवन बीमा तथा पेंशन जैसे लाभों को 20 करोड़ से भी ज्यादा लोगों तक पहुंचाया गया है।

मुद्रा योजना की सफलता की असाधारण कहानी ये आंकड़े कहते हैं, जिसके अंतर्गत 15.33 करोड़ लोगों को 7.29 लाख करोड़ रुपये राशि के लोन दिए गए। जिसके कारण अब छोटे व्यवसायी और लघु उद्यमियों को भी अपने सपने साकार करने का मौका मिला है। इसमें एक बात जो कि बहुत ही आश्वस्त करने वाली है वो है कि मुद्रा लाभार्थियों में करीब 74 प्रतिशत महिलाएं, अनुसुचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लाभार्थी हैं।

6 करोड़ गरीबों को उज्जवला योजना के अंतर्गत एलपीजी कनेक्शन वितरित किए गए हैं। अब तक की सबसे बड़ी हेल्थ केयर स्कीम, 'आयुष्मान भारत' के अंतर्गत 10 करोड़ गरीब परिवार किसी भी अस्पताल में जाकर किसी भी बीमारी के लिए प्रति वर्ष पांच लाख रुपए तक का इलाज़ मुफ्त में करा पाएंगे। आयुष्मान भारत के लांच होने के सिर्फ 100 दिनों के अंदर 7.03 लाख गरीब मरीजों को मुफ्त इलाज की सुविधा दी जा चुकी है। प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान जैसे कार्यक्रम जिसका लक्ष्य 6 करोड़ ग्रामीण वस्यकों को डिजिटली साक्षर करना है, डिजिटल क्षेत्र में सक्षम और वंचित की खाई को कम कर रहे हैं। 3 लाख कॉमन सर्विस सेंटर का लंबा-चौड़ा नेटवर्क जो 2 लाख से अधिक ग्राम पंचायत तक पहुंच चुका है। आज डिजिटल सेवाओं को नई ऊंचाइयां प्रदान कर रहे हैं

और गरीबों, वंचितों और ग्रामीणों के सशक्तिकरण में अहम भूमिका निभा रहा है।

ये गर्व की बात है कि एक मिशन मोड कार्यक्रम के अंतर्गत देश के 18,000 गांवों में जहां आजादी के बाद भी बिजली नहीं पहुंचाई गई थी, अब वहां बिजली के कनेक्शन उपलब्ध हैं। 1.5 करोड़ से अधिक घर गरीब परिवारों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत बनाए गए हैं।

ये सभी चीजें दर्शाती हैं कि गरीबों के सशक्तिकरण तथा उत्थान के लिए प्रधानमंत्री द्वारा किए गए सभी वादे पूरे किये जा रहे हैं।

स्वच्छ भारत– एक जन आंदोलन:

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में चल रहा 'स्वच्छ भारत अभियान' एक बड़ी सफलता के रूप में हम सभी के सामने है। सरकार ने इस बात को भलीभांति पहचाना है कि गंदे शौचालय और खुले में शौच कई बड़ी समस्याओं के प्रमुख कारण हैं। सिर्फ आंकड़े ही इस परिवर्तन की गाथा को स्पष्ट कर सकते हैं। ग्रामीण इलाकों में 1947 से लेकर 2014 तक 6.5 करोड़ शौचालय बनाए गए जबकि पिछले साढ़े चार सालों में 9.67 करोड़ शौचालयों का निर्माण किया जा चुका है। स्वच्छता का दायरा 2014 में जो 38% था, आज बढ़ कर 98.49% हो गया है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने महिलाओं के सशक्तिकरण वाले विकास मॉडल का सपना देखा है। सरकार के ऐतिहासिक बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ पहल की पूरी दुनिया में प्रशंसा हुई है। इस जागरूकता की वजह से चिन्हित 104 जिलों में लिंग अनुपात बढ़ गया। माध्यमिक विद्यालयों में भी लड़कियों के नामांकन की संख्या बढ़ गई।

महिलाओं का सशक्तिकरण:

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने महिलाओं के सशक्तिकरण वाले विकास मॉडल का सपना देखा है। सरकार के ऐतिहासिक बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ पहल की पूरी दुनिया में प्रशंसा हुई है। इस जागरूकता की वजह से चिन्हित 104 जिलों में लिंग अनुपात बढ़ गया। सेकेंडरी विद्यालयों में भी लड़कियों के नामांकन की संख्या बढ़ गई। साथ ही शिशुओं के संस्थागत प्रसव में भी सुधार हुआ है। एक साल से भी कम समय में 49.88 लाख महिलाओं को 1678.33 लाख करोड़ रुपये के मातृत्व लाभों का भुगतान किया जा चुका है। मातृत्व अवकाश को 26 हफ्तों (6 महीने) तक बढ़ाने के फैसले ने काम-काजी महिलाओं को लाभ पहुंचाया है और भारत को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उन देशों के साथ लाकर खड़ा कर दिया है जो काम-काजी महिलाओं को सबसे लम्बा मातृत्व अवकाश देते हैं। एकल माताओं के लिए पासपोर्ट नियमों में भी ढील दी गई है।

देश भर में फैले 3 लाख कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) में से 60,000 से अधिक सेण्टर महिलाओं द्वारा चलाए जाते हैं। प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सरकार द्वारा आंगनवाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं को ऐतिहासिक वेतन वृद्धि दी गई है। देश में पहली बार वायु सेना में महिला पायलटों को लड़ाकू विमान उड़ाने की अनुमति भी दी गयी है।

महिलाओं को सुरक्षा और न्याय प्रदान करने के लिए, 12 वर्ष से कम उम्र की बच्चियों के साथ बलात्कार के मामले में मृत्युदंड का प्रावधान किया गया है और 16 साल से कम उम्र की युवती के साथ बलात्कार के मामले में न्यूनतम सजा को 10 साल के कारावास से बढ़ाकर 20 साल के कारावास की कर दी गई है। मुस्लिम महिलाएं कई कुरीतियों की बेड़ियों में जकड़ी हुई थीं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने 'ट्रिपल तलाक' की बुराई को दंडनीय प्रावधानों के साथ एक आपराधिक कृत्य घोषित कर दिया है। राज्यसभा में वोट बैंक की राजनीति से उत्पन्न अवरोध के कारण पुनः अध्यादेश से इसे लागू किया गया है जिससे पीड़ित महिला को न्याय मिले। मुस्लिम महिलाएं अब बिना किसी पुरुष संरक्षक के हज के लिए जा सकती हैं।

सभी के लिए सामाजिक न्याय:

सामाजिक न्याय और न्यायसंगत विकास 'सबका साथ सबका विकास' के हमारे दर्शन में निहित है। बाबा साहेब अंबेडकर की विरासत को उचित सम्मान दिया गया और उस विरासत को भारत के युवाओं के सामने पहुंचाया गया। दिल्ली में डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर की स्थापना और पंच तीर्थ के रूप में उनके जीवन से जुड़े स्थानों को विकसित किया गया। दिव्यांग व्यक्तियों को उचित सम्मान दिया गया। दिव्यांगों के लिए वातावरण सुगम्य बनाया गया और इस प्रकार सुगम्य भारत अभियान की शुरुआत की गई। दिव्यांगता के प्रकारों को 7 से बढ़ाकर 21 कर दिया गया। पहली बार बोली और भाषा की बाधा और सीखने की बाधा को दिव्यांगता की श्रेणी में रखा गया। एसिड हमले के पीड़ितों को दिव्यांग के रूप में मान्यता दी गई। उच्च शिक्षण संस्थानों में दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सीटों का आरक्षण बढ़ाकर 4% कर दिया गया।

अन्य पिछड़े वर्ग के लोगों के सशक्तिकरण के लिए अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया गया।

अभी तक आरक्षण से वंचित समुदायों के गरीबों को, जिसमें उच्च जाति के लोग भी शामिल हैं, आरक्षण देने का ऐतिहासिक फैसला लेकर नरेंद्र मोदी सरकार ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया है कि ये

सरकार समाज के हर गरीब की चिंता कर रही है और इस से भी बड़ी बात है कि ये आरक्षण वर्तमान में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन -जाति एवम अन्य पिछड़े वर्गों को दिए जा रहे आरक्षण में कोई भी कमी लाये बिना दिया जा रहा है।

युवा शक्ति का विकास:

युवा भारत को विकसित करने के लिए, सरकार ने शैक्षणिक संस्थानों की संख्या में इजाफा किया और 7 IITs, 7 IIMs, 14 IIITs, 1 NIT, 2 IISERs, 103 केंद्रीय विद्यालय और 62 नवोदय विद्यालय नरेंद्र मोदी सरकार के कार्यकाल में स्थापित किए। परीक्षाओं में निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए एक नेशनल टेस्टिंग एजेंसी भी बनाई गई।

स्किल इंडिया मिशन के तहत, भारत में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत 375 व्यवसायों में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए 13,000 प्रशिक्षण केंद्र खोले गए हैं, जहां 1 करोड़ युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया है। इस नेटवर्क को आगे बढ़ाने के लिए, भारत के हर जिले में प्रधानमंत्री कौशल विकास केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं।

सरकार से मिले प्रोत्साहन के परिणामस्वरूप युवा भारत का खेलों में प्रदर्शन बेहतर हुआ है। 'खेलो इंडिया' कार्यक्रम के अंतर्गत पहली बार देश भर से 3507 खिलाड़ियों की भागीदारी देखी गई। प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों की पहचान करने के लिए एक राष्ट्रीय प्रतिभा खोज पोर्टल शुरू किया गया।

पहली बार स्टार्टअप इंडिया और स्टैंडअप इंडिया जैसी पहलों के द्वारा सरकार ने भारत के युवाओं की उद्यमिता क्षमता में विश्वास दिखाया और इसका उपयोग आर्थिक विकास और रोजगार सृजन के लिए किया। आज भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्ट अप इकोसिस्टम बन गया है। भारत में अब 15,500 पंजीकृत स्टार्ट अप हैं। स्कूलों में बनाये गए अटल टिंकरिंग लैब्स शुरुआती दिनों से ही युवा मन में नए खोज करने की सोच को विकसित कर रहे हैं और प्रतिभाशाली युवा खोजकर्ताओं को बढ़ावा दे रहे हैं। इन प्रयासों ने भारत को ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स 2015 में 81वीं रैंक से 2017 में 60वीं रैंक पर ला दिया है।

रोजगार सृजन:

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं उन कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित किया है जो शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा करते हैं। मुद्रा योजना और स्टैंडअप इंडिया ने छोटे उद्यमियों के लिए अपने व्यवसायों के विस्तार के लिए ऋण लेना आसान बना दिया है। 15.26 करोड़ छोटे और बहुत छोटे व्यवसायों को रु 7.29 लाख करोड़ के ऋण में लगभग 50% ऐसे हैं जिन्होंने पहली बार ऋण लिया है। इससे करोड़ों भारतीयों के लिए रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं।

2014 में सिर्फ 83,000 कॉमन सर्विस सेंटर थे जो आज बढ़कर 3 लाख सेंटर हो गए हैं जो 2.10 लाख ग्राम पंचायतों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं, जिससे रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं।

मेक इन इंडिया पहल के कारण, भारत तेजी से इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों के निर्माण के केंद्र के रूप में उभर रहा है। पिछले चार वर्षों में भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स सामानों का उत्पादन दोगुना हो गया है। भारत में मई 2014 में केवल 2 मोबाइल फोन के कारखाने थे। आज भारत में 127 मोबाइल फोन बनाने के कारखाने चल रहे हैं। दुनिया की सबसे बड़ी मोबाइल फोन फैक्ट्री आज भारत में है। छोटे शहरों में आईoटीo उद्योग को बढ़ावा देने के लिए और युवाओं को इस क्षेत्र में नौकरियां देने के लिए भारत बीoपीoओo प्रोत्साहन योजना और उत्तर-पूर्व बीoपीoओo प्रोत्साहन योजना शुरू की गयी। आज गुवाहाटी, इम्फाल, कोहिमा, मुजफ्फरपुर, बरेली, बडगाम, श्रीनगर, सांगली, करीमनगर, गुंटूर आदि छोटे शहरों में 260 बीoपीoओo केंद्र चल रहे हैं। इस योजना ने युवाओं के लिए नौकरियां पैदा की हैं। भारत का आईoटीo उद्योग लाखों लोगों को रोजगार दे रहा है, जिसमें से लगभग एक तिहाई महिला कर्मचारी हैं।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के हाल ही में जारी किए गए आंकड़ों से स्पष्ट है कि नरेंद्र मोदी सरकार में रोजगार सृजन को काफी बढ़ावा मिला है। रेलवे, एयरपोर्ट निर्माण एवं एयर सेवाओं के विस्तार, राष्ट्रीय राजमार्गों तथा ग्रामीण सड़कों और अन्य आधारभूत क्षेत्रों में तीव्र गति से व्यापक स्तर पर होने वाले कार्यों से बहुत बड़ी संख्या में रोज़गार के अवसर पैदा हुए हैं।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के हाल ही में जारी किए गए आंकड़ों से स्पष्ट है कि नरेंद्र मोदी सरकार में रोजगार सृजन को काफी बढ़ावा मिला है। रेलवे, एयरपोर्ट निर्माण एवं एयर सेवाओं के विस्तार, राष्ट्रीय राजमार्गों तथा ग्रामीण सड़कों और अन्य आधारभूत क्षेत्रों में तीव्र गति से व्यापक स्तर पर होने वाले कार्यों से बहुत बड़ी संख्या में रोज़गार के अवसर पैदा हुए हैं।

प्रौद्योगिकी आधारित सुशासन:

डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, स्टैंडअप इंडिया, स्किल इंडिया, स्मार्ट सिटी जैसे तमाम कार्यक्रम तकनीक आधारित हैं। सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग द्वारा सुशासन और समावेशी विकास के प्रधानमन्त्री जी के मॉडल की दुनिया भर में तारीफ हो रही है।

डिजिटल डिलीवरी से लेकर डिजिटल सशक्तिकरण तक, आम लोग खुद को सशक्त महसूस कर रहे हैं। 115 जिलों में, जो विभिन्न मापदंडों में पिछड़ रहे थे, विकासात्मक पहलों की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करके प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने इन आकांक्षी जिलों को आशा की एक नयी किरण दी है। इनमें से कई जिलों में अच्छे नतीजे तेजी से दिखने लगे हैं।

सोइल हेल्थ कार्ड, ई-वीसा, ई-स्कॉलर्शिप, ग्रामीण डिजिटल साक्षरता और जन धन अकाउंट, आधार और मोबाइल (JAM) के संगम से Direct Benefit Transfer करते हुए लगभग 90 करोड़ की बचत भारत में समावेशी विकास की नयी कहानी लिख रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सरकार भारत को उभरती हुयी तकनीक का वैश्विक केंद्र बनाने में जुटी हुयी है। सरकार उभरती हुई तकनीकें जैसे आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस, डेटा एनालिटिक्स, रोबोटिक्स, ब्लॉकचेन और वर्चुअल रियलिटी आदि के अनुसन्धान और विकास केंद्रों की स्थापना कर रही है। इन प्रयासों से आज भारत एक प्रमुख डिजिटल अर्थव्यवस्था के रूप में उभर रहा है और उम्मीद है कि आने वाले पांच वर्षों में भारत एक ट्रिलियन-डॉलर की डिजिटल अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

बुनियादी ढांचे का तेजी से विकास:

यूoपीoएo शासन के दौरान भ्रष्टाचार और नीतिगत विफलताओं के कारण हाशिये पर जा चुके बुनियादी ढांचे के विकास को नरेंद्र मोदी सरकार के कार्यकाल में नयी गति मिली है। 2013-14 में ग्रामीण सड़क निर्माण की औसत गति 69 किलोमीटर प्रति दिन से बढ़कर 2017-18 में 134 किलोमीटर प्रति दिन हो गई है। सड़क निर्माण पर व्यय 2013-14 में रुपये 32,483 करोड़ से बढ़कर 2017-18 में रुपये 1,16,324 करोड़ हो गया। ग्रामीण सड़कों का प्रतिशत, जो 2014 में केवल 56% था, बढ़कर 91% हो गया है। असम और अरुणाचल प्रदेश को जोड़ने वाले भारत के सबसे लंबे रेल-सह-सड़क पुल- बोगीबील पुल का उद्घाटन किया गया।

भारत में सड़क मार्गों के साथ साथ विमान सेवा में व्यापक विस्तार, जल मार्ग यातायात में नयी संभावनाएं और रेल यातायात में व्यापक विस्तार आधारभूत सुविधाओं की नयी पहचान बने हैं। यह सारी सुविधाएं समाज के निचले वर्गों तक उपलब्ध हैं। डिजिटल कनेक्टिविटी को ग्राम पंचायत तक पहुंचाने की दिशा में भारतनेट योजना के अंतर्गत 3 लाख किलोमीटर ऑप्टिक फाइबर केबल बिछाई गयी है, जो UPA के 3 साल में सिर्फ 358 किलोमीटर था।

भारत में सड़क मार्गों के साथ साथ विमान सेवा में व्यापक विस्तार, जल मार्ग यातायात में नयी संभावनाएं और रेल यातायात में व्यापक विस्तार आधारभूत सुविधाओं की नयी पहचान बने हैं। यह सारी सुविधाएं समाज के निचले वर्गों तक उपलब्ध हैं। डिजिटल कनेक्टिविटी को ग्राम पंचायत तक पहुंचाने की दिशा में भारतनेट योजना के अंतर्गत 3 लाख किलोमीटर ऑप्टिक फाइबर केबल बिछाई गयी है, जो UPA के 3 साल में सिर्फ 358 किलोमीटर था।

"नाजुक पांच (फ्रेजाईल फाइव)" से निकलकर विश्व की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ते कदम:

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सरकार की आर्थिक नीतियों ने भारत को आज दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना दिया है। लगभग दो अंकों की मुद्रास्फीति दर, उच्च राजकोषीय घाटा और चालू खाता घाटा, निवेशकों का डगमगाता विश्वास और सुस्त सकल घरेलू उत्पाद (जीoडीoपीo) वृद्धि दर के साथ 2014 में, भारत को "नाजुक पांच" अर्थव्यवस्थाओं में से एक माना जाता था। आज 2018-19 की पहली छमाही में जीडीपी 7.6% की दर से बढ़ी है, राजकोषीय घाटा 3.3% के बजटीय लक्ष्य के भीतर है। मोदी सरकार के दौरान मुद्रास्फीति दर 5% से अधिक कभी नहीं रही है बल्कि 3% से 4% के आसपास बनी हुई है, 2017-18 में $ 61.96 बिलियन का उच्चतम प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्राप्त हुआ और विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ रहा है। वर्ल्ड बैंक की 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस इंडेक्स' में, भारत 2014 के 142वें स्थान से 2018 में 77वें स्थान पर आ गया है।

नोटबंदी जैसे साहसिक कदमों ने सामानांतर अर्थव्यवस्था और घरेलू काले धन की सदियों पुरानी समस्या को प्रभावित किया है। इस के बाद से 3.26 लाख शेल कंपनियों को रद्द कर दिया है। 2013-14 में रिटर्न दाखिल करने वाले आयकरदाताओं की संख्या केवल 3.82 करोड़ थी जो 2017-18 में लगभग दोगुनी होकर 6.86 करोड़ हो गई है। आयकर संग्रह, जो 2013-14 में केवल 6.38 लाख करोड़ रुपये था 2017-18 में 10.02 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ गया। भारत ने जीएसटी के रूप में स्वतंत्रता के बाद सबसे बड़ा कर सुधार देखा जो कई वर्षों से लंबित था। जुलाई 2018 में जीएसटी के तहत पंजीकृत करदाताओं की कुल संख्या बढ़कर 1.13 करोड़ हो गई। इसने कर प्रणाली में 49.53 लाख नए करदाताओं को जोड़ा है। नागरिकों से मिले सुझावों के आधार पर जीएसटी की दरों को लगातार तर्कसंगत बनाया गया और आज 95% वस्तुएं 18% की दर से नीचे हैं। देश के आम एवं दूरदराज के छोटे व्यापारियों को लाभ पहुंचाने के आशय से सरकार ने GST की छूट की सीमा को Rs 20 लाख से दुगना कर Rs 40 लाख कर दिया है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सरकार के प्रयासों से डिजिटल भुगतान में अभूतपूर्व वृद्धि हुई, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था अधिक औपचारिक, पारदर्शी और मजबूत हुई। भीम-यूपीआई, जो भारत का एक अनूठा फिन-टेक आविष्कार है, ने आम नागरिकों को मोबाइल आधारित डिजिटल भुगतान करने का आसान विकल्प दिया। भीम-यूपीआई लेन-देन जो अक्टूबर, 2016 में केवल 50 करोड़ रुपये था दिसंबर, 2018 में एक लाख करोड़ रुपये के उच्च स्तर पर पहुंच गया। अब आधार आधारित भुगतान प्रणाली के द्वारा पेंशन-धारक, मनरेगा के दैनिक मजदूर आदि बिना बैंक शाखा गए अपने बैंक खातों से पैसे निकालने में सक्षम हैं।

भ्रष्टाचार पर कसता शिकंजा:

पिछली सरकारों की तुलना में मोदी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि भ्रष्टाचार पर नकेल कसना है। यूपीए सरकार ने घोटालों में नए कीर्तिमान स्थापित किए, लेकिन इसके विपरीत नरेंद्र मोदी सरकार पर भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं है। यही कारण है कि नरेंद्र मोदी द्वारा प्रदान किए गए स्वच्छ शासन पर कम से कम एक धब्बा लगाने की एक हताश कोशिश में, कांग्रेस पार्टी ने राफेल के बारे में मनगढंत कहानी बनायी। कांग्रेस द्वारा देश के हित को ताक में रख कर किये गए अप्रचार को फ्रांस की सरकार ने भी नकारा है। सुप्रीम कोर्ट ने राफेल सौदे के विभिन्न पहलुओं की जांच की और सरकार को क्लीन चिट दे दी और फैसला किया कि इस मामले में कोई वित्तीय लाभ किसी को नहीं पहुंचाया गया है और वायु सेना को अपनी ताकत बढ़ाने के लिए इन विमानों की आवश्यकता है। ये बहुत दुखद बात है की कांग्रेस पार्टी जिसने दशकों तक देश पर शासन किया है आज वायु सेना के लिए आवश्यक विमानों की खरीद में रुकावट पैदा कर देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर रही है। यू०पी०ए० सरकार ने अपने कार्यकाल में किसी न किसी बहाने से रक्षा खरीद को रोक कर रखा। वैसे रक्षा सौदों में कांग्रेस पार्टी का इतिहास भ्रष्टाचार से भरा हुआ रहा है और ये बात जग जाहिर है।

भ्रष्टाचार पर नकेल कसने के लिए मोदी सरकार की नेक नीयत का पता कैबिनेट की पहली बैठक में ही लग गया था, जिसमें काले धन पर एक SIT (विशेष जांच दल) गठित करने का फैसला किया गया था। ब्लैक मनी (अघोषित विदेशी आय और संपत्ति) और कराधान एक्ट, 2015 लाया गया। स्विट्जरलैंड के साथ रियल टाइम में वित्तीय जानकारी आदान प्रदान करने के समझौते को अंतिम रूप दिया गया। विदेशों में जमा काले धन के मूल्य के बराबर संपत्ति को जब्त करने में सक्षम बनाने के लिए धन शोधन निवारण अधिनियम में संशोधन किया गया। बेनामी संपत्ति अधिनियम, जो संसद द्वारा 1988 में पारित किया गया था, को 2016 में अधिसूचित किया गया। बेनामी संपत्ति के शीघ्र निपटान के लिए न्यायाधिकरण की स्थापना की गई थी। भगोड़े आर्थिक अपराधी अधिनियम सरकार को भगोड़े आर्थिक अपराधियों की संपत्ति को जब्त करने के लिए सक्षम बनता है। भगोड़े आर्थिक अपराधियों को वापस लाने के कूटनीतिक और कानूनी प्रयास अब अच्छे परिणाम दे रहे हैं।

टेलीकॉम स्पेक्ट्रम और कोयले के खदानों की नीलामी में पारदर्शिता के कारण राजस्व का रिकॉर्ड संग्रह हुआ। गैर-राजपत्रित पदों में साक्षात्कार समाप्त कर दिए गए। ऑनलाइन आवेदन सभी मंजूरी के लिए अनिवार्य कर दिया गया। पर्यावरण स्वीकृति के लिए जाने वाला समय 600 दिनों से 180 दिनों तक लाया गया।

यू०पी०ए० सरकार के दौरान बैंकों द्वारा व्यवसायियों को दिए गए अंधाधुंध ऋण के कारण बैंकों में नॉन परफॉर्मिंग एसेट्स (एनपीए) बहुत अधिक हो गये थे। 1947 से 2008 के बीच बैंकों ने कुल 18 लाख करोड़ रुपयों के ऋण दिए गये थे लेकिन 2008 से 2014 के बीच बैंकों द्वारा दिए गये कुल ऋण बढ़कर 54 लाख करोड़ रुपये हो गए। यू०पी०ए० के कार्यकाल में फोन बैंकिंग का प्रचलन बढ़ा और राजनीतिक दबाव के कारण बैंकों ने अनाप-शनाप ऋण दिए गये और यह यू०पी०ए० का सबसे बड़ा घोटाला था। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को बैंक एन०पी०ए० विरासत में मिला और इस सरकार ने बैंकों के पुनर्पूंजीकरण के प्रयास किए। डिफॉल्टरों से पैसा वसूलने के लिए इन्सॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड बनाया गया। इन्सॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड लागू होने के बाद पिछले दो वर्षों में लगभग 3 लाख करोड़ रुपये वसूल किए गए हैं।

भारत, जिसे यूपीए सरकार की भ्रष्टाचार और खराब नीतियों के कारण 2014 के आसपास दुनिया द्वारा निराशाजनक रूप से देखा जा रहा था, आज एक बड़ी वैश्विक शक्ति के रूप में उभरा है। दुनिया आज भारत को आशा और विश्वास के साथ देखती है। दुनिया को आज ये उम्मीद है कि भारत दुनिया को आर्थिक मंदी से उबारने में मदद करेगा।

विश्व में भारत की बढ़ती साख:

भारत, जिसे यूपीए सरकार की भ्रष्टाचार और खराब नीतियों के कारण 2014 के आसपास दुनिया द्वारा निराशाजनक रूप से देखा जा रहा था, आज एक बड़ी वैश्विक शक्ति के रूप में उभरा है। दुनिया आज भारत को आशा और विश्वास के साथ देखती है। दुनिया को आज ये उम्मीद है कि भारत दुनिया को आर्थिक मंदी से उबारने में मदद करेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सरकार द्वारा किए गए प्रयासों के कारण 21 जून को संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग

दिवस के रूप में घोषित किया। आज भारत की सांस्कृतिक धरोहर योग को दुनिया भर में बड़े उत्साह के साथ अपनाया जा रहा है। संयुक्त राज्य अमेरिका जैसी प्रमुख अर्थव्यवस्था के पीछे हटने के बाद भी भारत ने जलवायु परिवर्तन और पेरिस समझौते की सफलता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की को कायम रखा है। भारत ने दुनिया भर में सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन बनाकर एक अनूठी पहल की और गुरुग्राम में इसका अंतरराष्ट्रीय कार्यालय बनाया। एक साहसिक और आत्मविश्वास से भरे देश ने पाकिस्तान से आतंकवाद की घटनाओं को रोकने के लिए सर्जिकल स्ट्राइक करने का फैसला किया और दुनिया में पाकिस्तान को कूटनीतिक प्रयासों से अलग-थलग करने में सफल रहा। भारत मिसाइल प्रौद्योगिकी नियंत्रण व्यवस्था में भी शामिल हुआ, जो देश की सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने में मदद करेगा। अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में इसरो ने कई मील के पत्थर स्थापित किए। विश्व ने भारत की प्रशंसा की जब एक ही बार में 104 उपग्रहों को अंतरिक्ष में स्थापित करने का रिकॉर्ड बनाया गया। मंगलयान को मंगल ग्रह की कक्षा में स्थापित कर भारत ये उपलब्धि हासिल करने वाला पहला एशियाई देश बना। आज दुनिया भर में भारतीय अधिक आत्मविश्वास से भरे और कहीं अधिक सुरक्षित महसूस कर रहे हैं क्योंकि वे जानते हैं कि भारत सरकार तब भी उनकी देखभाल कर रही है जबकि वे अपने देश से बहुत दूर हैं। कूटनीति में व्यक्तिगत गर्मजोशी भरे अंदाज़ के कारण न सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दुनिया में एक अलग पहचान बनी है, बल्कि भारत की वैश्विक साख भी बढ़ी है।

आज विरोधाभासी और अवसरवादी महागठबंधन का एक हास्यास्पद संयोजन प्रधानमंत्री, भाजपा और राजग से टक्कर लेने के लिए बनाया जा रहा है। उनका भारत के लिए या भारत के लोगों के लिए कोई कार्यक्रम या कार्यसूची नहीं है, लेकिन वे केवल नरेंद्र मोदी के खिलाफ नफरत को आधार बनाकर आपस में जुड़ रहे हैं।

स्थिरता बनाम अस्थिरता, एक ईमानदार और साहसिक नेता बनाम नेताविहीन अवसरवादी गठबंधन तथा एक मजबूत और एक मजबूर सरकार के बीच चुनाव:

कुछ ही दिनों पहले संपन्न हुए विधानसभा चुनावों में मिले-जुले अनुभव सामने आये। राष्ट्रीय कार्यकारिणी भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं को इन चुनावों में किये गए कठिन परिश्रम के लिए साधुवाद देती है। सभी राज्यों में भाजपा सरकारों ने सुशासन दिया है और उनका विकास का रिकॉर्ड उल्लेखनीय है। इन परिणामों से हम सीख तो लेंगे ही साथ ही इस के कारण पार्टी के कार्यकर्ताओं में लोक सभा चुनाव के लिए और मेहनत व जोश से काम करने की प्रेरणा भी मिली है।

आज विरोधाभासी और अवसरवादी महागठबंधन का एक हास्यास्पद संयोजन प्रधानमंत्री, भाजपा और राजग से टक्कर लेने के लिए बनाया जा रहा है। उनका भारत के लिए या भारत के लोगों के लिए कोई कार्यक्रम या कार्यसूची नहीं है, लेकिन वे केवल नरेंद्र मोदी के खिलाफ नफरत को आधार बनाकर आपस में जुड़ रहे हैं। ये प्रयास कई मायनों में इन अवसरवादी दलों की अपनी अपनी कमजोरियों को भी उजागर करता है। 2019 का भारत 1990 के दशक का भारत नहीं है, जब ये अवसरवादी दल मिलकर केंद्र सरकार को अपनी मर्ज़ी से चार महीने से एक साल तक चला पाते थे। आज लोगों को अस्थिरता और स्थिरता के बीच चुनाव करना आता है। प्रभावी सुशासन या हताश कुशासन- जनता जानती है कि किसे चुनना है। नरेंद्र मोदी जैसे एक प्रतिष्ठित नेता का विरोध ऐसे अवसरवादी गठबंधन द्वारा किया जा रहा जिसके नेता के बारे में भी अभी पता नहीं है। हमें यकीन है कि भारत के लोग नरेंद्र मोदी के प्रेरक नेतृत्व में भाजपा और राजग में अपना भरोसा बनाए रखेंगे।

2014 के लोक सभा चुनाव में बीजेपी के पास 6 राज्य सरकारें थीं, आज हमारे पास केंद्र के साथ 16 राज्यों में हमारा सुशासन प्रभावी है। 2014 में हमारी सदस्यता 2 करोड़ 40 लाख थी, आज पार्टी के 11 करोड़ सदस्य हैं। इन साढ़े चार वर्षों में पार्टी ने देश के सुदूर कोनों तक मजबूत बूथ संगठन की ताकत का निर्माण किया है। पार्टी कार्यकर्ताओं की मेहनत से 5 सालों में पार्टी की प्रचंड शक्ति बनी है और उसका प्रतिफल यह है कि मोदी सरकार के द्वारा हर क्षेत्र का विकास हुआ है। प्रधान मंत्री मोदी के द्वारा भारत के गौरव का विस्तार एवं उनकी लोकप्रियता को जनसमर्थन में बदलने में बीजेपी का संगठन सफल हुआ है। देश की जनता 2019 के चुनावों में पुनः प्रधान मंत्री श्री मोदी को नेतृत्व सौपना चाहती है। बीजेपी का संगठन लोकतंत्र के इस उत्सव में प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विजय हेतु कटिबद्ध है। बीजेपी देश की जनता से 2019 के चुनाव में प्रधान मंत्री मोदी की विजय के लिए आह्वान करती है। पार्टी इस सदी के युवा मतदाता, जो Millennial वोटर्स के रूप में पहली बार मतदान कर रहे हैं, उनसे भी आह्वान करती है की वो शत प्रतिशत रूप से लोकतंत्र के इस पर्व में भाग लेकर मोदी जी को विजय बनायें, जिससे देश सशक्त ,समर्थ ,समग्र एवं समावेशी विकास के पथ पर आगे बढे। ■

'किसान हितैषी यात्रा को अनवरत आगे बढ़ाएंगे'

भाजपा राष्ट्रीय अधिवेशन में केंद्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह ने कृषि पर प्रस्ताव रखा, जिसका समर्थन महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस, भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री वीरेन्द्र सिंह मस्त एवं सांसद श्री विजयपाल सिंह तोमर ने किया।

इस प्रस्ताव के माध्यम से कहा गया है कि राष्ट्रीय परिषद् एक स्वर में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार की कृषि विकास को समर्पित किसान हितैषी नीतियों के लिए उनकी सराहना करती है और यह संकल्प व्यक्त करती है कि 2019 में एक बार फिर हम श्री नरेंद्र मोदी जी को प्रचंड बहुमत विजय दिलाकर कृषि विकास और किसान हितैषी इस यात्रा को अनवरत आगे बढ़ाएंगे।

हम यहां कृषि पर प्रस्ताव का पूरा पाठ प्रकाशित कर रहे हैं:–

भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय परिषद, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा पिछले एक कार्यकाल में कृषि क्षेत्र के उत्थान एवं किसानों के हितों में सफलतापूर्वक किये गए बहुआयामी कार्यों के लिए श्री नरेंद्र मोदी का अभिनंदन करती है। भाजपा सरकार की कुशल एवं सफल कृषि नीतियों का परिणाम है कि आज इस क्षेत्र की स्थिति न सिर्फ बेहतर हुई है बल्कि किसानों के जीवन स्तर में भी सकारात्मक बदलाव नजर आ रहा है। भाजपा सरकार ने कृषि विकास व किसान समृद्धि के लिए किसानों की आय और ऊपज को बढ़ाने पर समग्रता से विचार किया है तथा इस दिशा में नीतिगत स्तर पर अनेक निर्णय लिए हैं। कृषि विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सरकार ने सॉयल हेल्थ कार्ड, सूक्ष्म सिंचाई की सुविधाएं, तीन फसलों की ऊपज एवं बुवाई, कम पानी में अधिक फसलों की सिंचाई तथा आधुनिक तकनीक के स्तर पर ठोस एवं परिणामदायक प्रयास किये हैं। भाजपा राज्य सरकारों ने सरकार ने किसानों के लिए पहले भी 4% और अभी भी 4% कृषि ऋण को ब्याज मुक्त करने तथा गेहूं और धान की खरीद प्रक्रिया को किसानों के लिए सरल और उनके आर्थिक हितों के अनुरूप बनाने का महत्वपूर्ण कार्य किया है।

वर्ष 2014 में जब केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार मोदी जी के नेतृत्व में बनी, उस दौरान देश का किसान कृषि क्षेत्र के लिए आवश्यक बुनियादी संरचना, आधारभूत जरूरतों, खाद एवं बीज की अनुपलब्धता, फसल की सही कीमत, भुगतान की समस्याओं, आर्थिक सुरक्षा की पारदर्शी नीतियों के अभाव सहित अनेक जटिलताओं से जूझ रहा था। ऐसी समस्याएं देश की कृषि व्यवस्था को लचर करने वाली थीं। लेकिन केंद्र में भाजपा की सरकार आने के बाद बिना देर किए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने किसानों से जुड़ी समस्याओं तथा कृषि क्षेत्र के हालात को बेहतर करने के लिए नीतिगत स्तर पर कार्य शुरू किया। सरकार ने किसान और कृषि को अपनी प्राथमिकता का हिस्सा बनाया। इस दिशा में वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक दृष्टिकोण के साथ ठोस कदम उठाये गये। सरकार द्वारा किये गये बहुमुखी प्रयासों के परिणामस्वरूप आज देश में कृषि की स्थिति में सुधार हुआ है। अनेक प्रतिकूल स्थितियों के बावजूद आज खाद्यान्न उत्पादन की क्षमता में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। प्राकृतिक कारणों से फसलों के नुकसान की स्थिति में किसानों की आर्थिक सुरक्षा का ख्याल सरकार ने रखा है। किसानों के लिए खाद और बीज की उपलब्धता के संकट से मुक्ति मिल गयी है। न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि की बहुप्रतीक्षित मांग को भी सरकार ने पूरा करने का कार्य किया है। कृषि क्षेत्र के लिए बजटीय आवंटन में वृद्धि हुई है। साथ ही किसानों की आय को दोगुना करने के लक्ष्य की ओर सरकार आगे बढ़ रही है। राष्ट्रीय परिषद यह विश्वास व्यक्त करता है कि तय सीमा में हम 'किसानों की आय दोगुनी' करने के लक्ष्य को हासिल कर लेंगे।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में सरकार के कार्यों ने देश की सवा करोड़ जनता के बीच यह भरोसा व्यक्त करने में सफलता अर्जित की है कि आज देश में 'किसान-हितैषी' सरकार कार्य कर रही है, जिसकी प्राथमिकता में उनका 'अन्नदाता' है। राष्ट्रीय परिषद केंद्र सरकार की किसान हितैषी नीतियों तथा कृषि क्षेत्र को मजबूती प्रदान करने में सफलता पूर्वक आगे बढ़ने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का पुनः अभिनंदन करते हुए बधाई व्यक्त करती है।

अगर देश के कृषि क्षेत्र में हुए बदलावों की बात करें तो उपलब्धियों की लंबी सूची बनकर आती है। बदलाव और बेहतरी के मोर्चे में देश ने अनेक लक्ष्यों को हासिल किया है। आज जब हम यहां राष्ट्रीय परिषद में कृषि क्षेत्र के विविध पहलुओं पर विचार और मंथन कर रहे हैं, तो उपलब्धियों के इन बिन्दुओं को रेखांकित करना आवश्यक भी है।

न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि: सही कीमत, समृद्ध किसान

किसानों को उनकी ऊपज का सही मूल्य मिले, इसको लेकर लंबे समय से चर्चा चलती रही। यूपीए सरकार के दौरान 'स्वामीनाथन आयोग' ने भी इस संबंध में सिफारिशें की थीं, लेकिन किसानों के हितों से जुड़े इस महत्वपूर्ण विषय पर पिछली कांग्रेस सरकार मौन साधे बैठी रही। लेकिन केंद्र में 'किसान हितैषी' भाजपा सरकार ने इसे पूरा करने का संकल्प व्यक्त किया तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य को लागत से डेढ़ गुना अधिक करने का निर्णय किया। सरकार ने रबी और खरीफ की फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में डेढ़ गुने की बढ़ोत्तरी करके यह प्रमाणित किया है, कि भाजपानीत मोदी सरकार किसानों के हितों के लिए हर संभव प्रयास करने में पीछे नहीं रहने वाली है। राष्ट्रीय परिषद इस महत्वपूर्ण और बहुप्रतीक्षित मांग को पूरा करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं उनके नेतृत्व में कार्य कर रही भाजपानीत सरकार का अभिनन्दन करता है। सरकार के इस निर्णय के बाद लगभग भी फसलों पर किसानों को 50 फीसद से ज्यादा लाभ मिलने वाला है। बाजरा और उड़द जैसे फसलों पर तो लाभ की सीमा 65 से 96 फीसद तक मिल रही है।

बजटीय आवंटन: कृषि आधार को मजबूती

कृषि विकास के लिए बजटीय आवंटन को लेकर मोदी सरकार ने लगातार उत्साह दिखाया है। देश के कृषि हालात बदहाली से निकलाने और इसकी बुनियाद को सुदृढ़ करने के लिए बड़े आर्थिक प्रबन्धन की आवश्यकता बताई जा रही थी। मोदी सरकार ने इस चुनौती को न सिर्फ गंभीरता से लिया, बल्कि इसके समाधान को सफलतापूर्वक अमल में भी लेकर आई है। इसी का परिणाम है कि देश के कृषि बजट के आकार में अभूतपूर्व वृद्धि गत साढ़े वर्षों में हुई है। कृषि क्षेत्र के निम्नवत कार्यों के लिए सरकार द्वारा तुलनात्मक रूप से अधिक बजट आवंटित किया है।

बजटीय आवंटन: मोदी सरकार के 2014 से 2019 तक के पांच वर्षों में कृषि क्षेत्र के बजट का आकार 2,11,694 करोड़ है, जो कि कांग्रेसनीत यूपीए के 2009 से 2014 तक के पांच वर्षों के कार्यकाल में दिए गए 1,21,082 करोड़ की तुलना में लगभग दो गुना है। इस तुलना से स्पष्ट होता है कि सरकार ने कृषि क्षेत्र की स्थिति को बेहतर करने के लिए बजटीय आवंटन में व्यापक वृद्धि की है।

आपदा सहायता: प्राकृतिक आपदाओं की स्थिति में राष्ट्रीय आपदा अनुक्रिया कोष से कृषि क्षेत्र को अपने एक कार्यकाल में सरकार ने 32,208 करोड़ से ज्यादा की राशि प्रदान की है, जो पिछली सरकार के पांच वर्षों की तुलना में लगभग ढाई गुना अधिक है। सरकार द्वारा SDRF के अंतर्गत भी प्रदान की गयी राशि पिछली सरकार की तुलना में 82 फीसद अधिक है।

कृषि क्षेत्र के लिए संचित निधि: मोदी सरकार कृषि क्षेत्र बहु-क्षेत्रीय आवश्यकताओं को अपनी नीतियों में रेखांकित किया है। इसके लिए संचित निधि का आवंटन अलग-अलग कार्यों में किया गया है। सरकार ने सूक्ष्म सिंचाई कोष के लिए 5,000 करोड़, डेयरी प्रसंस्करण के लिए 10,881 करोड़, लॉन्ग टर्म इरीगेशन फंड के मद में 40,000 करोड़, कृषि विकास अवसंरचना विकास कोष के लिए 2000 करोड़, मत्स्य एवं जलीय विज्ञान विकास के लिए 7,550 करोड़ तथा पशुपालन अवसंरचना विकास के लिए 2,450 करोड़ की

राशि आवंटित की है।

नीतिगत योजनाओं से हुआ बदलाव

भाजपा सरकार की कृषि संबंधी नीतियों एवं योजनाओं में इस क्षेत्र की लंबे समय से चलती आ रही समस्याओं के समाधान का संकल्प दिखाई देता है। मोदी सरकार ने समस्याओं को चिन्हित करने तथा उनके समाधान के लिए ठोस नीति निर्धारण का कार्य लक्ष्यावधि में किया है। योजनाओं का निर्माण एवं उनके व्यावहारिकता का परीक्षण तथा लागू कराने के मोर्चे पर सरकार सफल रही है। जैविक खेती के विकास, मृदा पहचान के लिए प्रयोगशालाओं की स्थापना, सिंचाई की व्यवस्था के सुदृढीकरण सहित कवर क्षेत्रों के विस्तार की दिशा में सरकार ने उल्लेखनीय कार्य किये हैं।

हर खेत पानी: मोदी सरकार ने हर खेत पानी पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत 'पर ड्राप मोर क्रॉप' को अभियान की तरह चलाया। इस योजना ने देश की सूक्ष्म सिंचाई व्यवस्था को एक नया आकार देने का कार्य किया है। मोदी सरकार ने यूपीए सरकार की तुलना में इस योजना के लिए बजटीय आवंटन में 16.21 फीसद की बढ़ोत्तरी करते हुए 5,460 करोड़ की अतिरिक्त राशि प्रदान की है। वहीं वृहत सिंचाई क्षेत्र की सुदृढ़ता के लिए 40,000 करोड़ की राशि नाबार्ड के तहत सृजित की गयी है, जिससे 76.03 लाख हेक्टेयर भूमि को सिंचाई के दायरे में लाया जा सकता है।

किसानों की आर्थिक सुरक्षा का ख्याल: फसल बीमा के माध्यम से नुकसान अथवा जोखिम की स्थिति में किसानों की आर्थिक सुरक्षा संबंधी नीतियों की अनेक खामियों को मोदी सरकार ने आने के तुरंत बाद चिन्हित किया। मोदी सरकार के लिए देश का किसान प्राथमिकताओं की सूची में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। यही कारण है कि किसानों की सहूलियत और उनकी स्थिति के लिहाज से सरकार द्वारा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत बीमा की प्रीमियम राशि को पहले की तुलना में कम किया गया तथा जोखिम की स्थिति में कवर के दायरे को विस्तार देने कार्य हुआ है। किसान हितैषी मोदी सरकार ने बिना किसी भेदभाव के इस योजना के तहत देश के हर राज्य तक इसके लाभ को किसानों तक पहुंचाने की दिशा में संकल्पबद्ध रूप से कार्य किया है। कांग्रेसनीत यूपीए के कार्यकाल के अंतिम वर्ष में 2013-14 में फसल बीमा योजना के तहत 2,151 करोड़ राशि खर्च हुई, जो कि मोदी सरकार के दौरान 2018-19 के 6 गुने की वृद्धि के साथ 13,000 करोड़ पहुंच गयी है तथा इसका भूमि विस्तार भी बढ़ा है। किसानों को आपदा प्रबंधन के अंतर्गत पहले सिर्फ 50 प्रतिशत क्षति होने पर ही बीमा का लाभ मिलता था लेकिन अब 33 प्रतिशत क्षति पर भी वे बीमा का फायदा उठा सकते हैं। वर्ष 2014 से पहले बीमाधारक गैर-ऋणी एवं ऋणी किसानों की संख्या क्रमशः 29 लाख और 6.37 करोड़ थी, जो भाजपा सरकार आने के बाद बढ़कर क्रमशः 2.75 करोड़ और 8.16 करोड़ हो गयी है। पहले किसानों को इसके अंतर्गत 4,718 रुपये मिलते थे जो वर्तमान में बढ़कर 5,400 रुपये हुए हैं। सरकार ने 2017-18 में किसानों से प्राप्त बीमा प्रीमियम की कुल राशि की तुलना में चार गुनी अधिक राशि का भुगतान किसानों को जोखिम दावों के तहत किया है। आज देश की 10.78 करोड़ हेक्टेयर भूमि अगर बीमा क्षेत्र के अंतर्गत आई है, तो इसका श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार को जाता है।

कृषि क्षेत्र में वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं यांत्रिकी को प्रोत्साहन: श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने कृषि क्षेत्र को अधिक समृद्ध, उपयोगी और उत्पादकता की दृष्टि से लाभाकारी बनाने के लिए यांत्रिकी को प्रोत्साहन देने एवं मृदा पहचान की तकनीक को सुदृढ़ करने का कार्य किया है। सॉयल हेल्थ कार्ड के बजट में लगभग 12 गुने से ज्यादा की वृद्धि तथा यांत्रिकी के बजटीय आवंटन को यूपीए सरकार के 58 करोड़ की तुलना में 1165 करोड़ का आवंटन किया गया है। अभी तक 17.53 करोड़ सॉयल हेल्थ कार्ड वितरित किये जा चुके हैं ताकि किसान अपने खेतों में सही उर्वरक का प्रयोग कर पाएं। यूरिया की नीम कोटिंग ने यूरिया की कालाबाजारी को समाप्त कर दिया है। मोदी सरकार द्वारा किया गया यह कार्य, इस बात का प्रमाण है कि सरकार कृषि क्षेत्र को लेकर हर दृष्टि से गंभीर रही है।

कृषि उत्पादन में वृद्धि

केंद्र की भाजपा सरकार के कृषि क्षेत्र में किये बहुमुखी एवं बहुक्षेत्रीय प्रयासों के परिणाम खाद्यानों के उत्पादन में स्पष्ट नजर आते हैं। उत्पादकता में वृद्धि के आंकड़े भाजपा सरकार द्वारा किये गए कृषि विकास तथा किसानों के हितों में किये गये कार्यों को प्रमाणित करने वाले हैं।

खाद्यान्न उत्पादन: अगर तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो खाद्यानों के उत्पादन के मामले में 2010-15 के औसत उत्पादन की तुलना में 2017-18 में चौथे अनुमान के हिसाब से 11.44 फीसद की वृद्धि दर्ज की गयी। इस दौरान हमारा खाद्यान्न उत्पादन 284.83 मिलियन टन रहा। ये आंकड़े कृषि क्षेत्र के लिए उत्साहजनक तो हैं ही, साथ ही मोदी सरकार की सफल कृषि नीतियों को भी दर्शाते हैं।

बागवानी एवं दलहन उत्पादन: वर्ष 2017-18 के तीसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार बागवानी उत्पादन 306.82 मिलियन टन बताया गया है। अगर तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो 2010-15 के औसत उत्पादन से यह 17.55 फीसद अधिक है। वहीं दलहन के उत्पादन में 2017-18 में तुलनात्मक रूप से 40.09 फीसद की वृद्धि दर्ज की गयी है।

दुग्ध और मछली उत्पादन: डेयरी और मछली पालन की को लेकर सरकार के प्रयासों की बदौलत इस क्षेत्र में देश की उत्पादन क्षमता बढ़ी है। दुग्ध उत्पादन की वार्षिक दर में 2014-18 के बीच लगभग 49 फीसद की बढ़ोत्तरी दर्ज की गयी है। डेयरी उद्योग से जुड़े किसानों की आय में 30.5 फीसद (2014-18) तथा प्रति व्यक्ति

दूध उपलब्धता में 22.5 फीसद (2017-18) की बढ़ोत्तरी दर्ज की गयी है। मछली उत्पादन में पिछले वित्त वर्ष में 42.22 फीसद की वृद्धि दर्ज की गयी थी। सरकार द्वारा मत्स्य उद्योग को प्रोत्साहन देने का परिणाम रहा कि मोदी सरकार के एक कार्यकाल में इस दिशा में भारत की निर्यात क्षमता में 180 फीसद की बढ़ोत्तरी करने में हमें कामयाबी मिली है।

खरीद प्रक्रिया में सुधार

सरकार की पारदर्शी एवं कृषि हितों के लिए बनाई गयी प्राइस सपोर्ट स्कीम के तहत किसानों की उपज की खरीद प्रक्रिया में अभूतपूर्व बढ़ोत्तरी हुई है। तुलनात्मक दृष्टि से अगर फसलों की खरीद का मूल्यांकन करें तो 2010-14 के बीच 7.24 लाख मीट्रिक टन दलहन-तिलहन की खरीद की तुलना में भाजपा सरकार के 2014-15 से दिसंबर 2018 तक 78.61 लाख मीट्रिक टन की खरीद की गयी। यह आंकड़े यूपीए सरकार के दौरान हुई खरीद से लगभग ग्यारह गुना ज्यादा हैं। इसके लिए सरकार ने यूपीए सरकार द्वारा खर्च 300 करोड़ रुपये आवंटित किये गये थे, जिसकी तुलना में केवल दो वर्षों भाजपा सरकार ने लगभग 15,000 करोड़ रुपये आवंटित किये हैं। वहीं कपास की खरीद में भी सरकार ने 325 फीसद की बढ़ोत्तरी की है। किसानों को अपने उत्पादों के लिए कभी अच्छे दाम नहीं मिलते थे। इस समस्या का हल करने के लिए सरकार ने ई-नेशनल एग्रीकल्चर मार्केट या ई-नाम बनाया है जिसके अंतर्गत देश के सभी 585 कृषि बाज़ारों को एक प्लेटफार्म पर जोड़ दिया गया है। इस ऑनलाइन कृषि बाज़ार पर 1.41 करोड़ पंजीकृत क्रेता और विक्रेता उपलब्ध हैं तथा 58,930 करोड़ रूपए मूल्य के 2.25 करोड़ टन कृषि उत्पादों की खरीद बिक्री की जा चुकी है।

देश की कृषि आयात पर निर्भरता को कम करने तथा किसानों के हितों को सुरक्षित रखने की दृष्टि से आयात एवं निर्यात को लेकर मोदी जी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने नीतिगत बदलाव किये। गेहूं पर आयात शुल्क में 20 फीसद तथा तूर पर 10 फीसद की बढ़ोत्तरी की गयी। अन्य कृषि उत्पादों पर आयात शुल्क में वृद्धि करके आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दिशा में सरकार ने सफलता अर्जित की है। कुछ कृषि उत्पादों पर मात्रात्मक सीमा भी तय की गयी है।

किसानों के हित में कृषि व्यापार में नीतिगत बदलाव

देश की कृषि आयात पर निर्भरता को कम करने तथा किसानों के हितों को सुरक्षित रखने की दृष्टि से आयात एवं निर्यात को लेकर मोदी जी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने नीतिगत बदलाव किये। गेहूं पर आयात शुल्क में 20 फीसद तथा तूर पर 10 फीसद की बढ़ोत्तरी की गयी। अन्य कृषि उत्पादों पर आयात शुल्क में वृद्धि करके आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दिशा में सरकार ने सफलता अर्जित की है। कुछ कृषि उत्पादों पर मात्रात्मक सीमा भी तय की गयी है।

कृषि शिक्षा का विस्तार

भारतीय जनता पार्टी की सरकार केंद्र में आने के बाद कृषि शिक्षा के क्षेत्र में आधारभूत संरचना के विकास और देश के हर हिस्से तक इसकी पहुंच को सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाये गये हैं। श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में सरकार ने 2018-19 के बजट में 2013-14 की तुलना में 55 फीसद से ज्यादा की बढ़ोत्तरी की है। कुल 1100 करोड़ रुपये के खर्च से 'राष्ट्रीय कृषि उच्चतर शिक्षा परियोजना' शुरू की गयी तथा चार नए डिग्री कार्यक्रम शुरू किये गये हैं।

किसानों की आय दोगुना करने का लक्ष्य

किसानों की आय में वृद्धि हो, कृषि कार्य के प्रति उत्साह का भाव पैदा हो, किसानों के आर्थिक सुरक्षा का ख्याल हो, जागरूकता का विषय हो अथवा कृषि उत्पादों की खपत का सवाल हो, केंद्र में बैठी श्री नरेंद्र मोदी सरकार ने इस सभी विषयों पर सफलतापूर्वक कार्य किये हैं। भारतीय जनता पार्टी की सरकार का लक्ष्य देश के अन्नदाता को सबल, सक्षम और स्वावलंबी बनाने का है। इसके लिए सरकार 'किसानों की आय को दोगुने' तक पहुंचाने का लक्ष्य लेकर पूर्ण समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रही है। उपर जिन उपलब्धियों की चर्चा संक्षिप्त में की गयी है, वो सभी इस लक्ष्य तक पहुंचने का कारगर माध्यम हैं। आज जब श्री मोदी जी की सरकार के एक कार्यकाल पूरा होने वाला है और हम उपरोक्त उपलब्धियों को देखते हैं तो यह विश्वास और मजबूत होता है कि हम जिस 'न्यू इण्डिया' के निर्माण की तरफ आगे बढ़ रहे हैं, वहां हम 'किसानों की आय को दोगुना' करने के लक्ष्य को न सिर्फ हासिल कर चुके होंगे, बल्कि उसके आगे का रास्ता भी तय कर रहे होंगे। कृषि विकास को समर्पित गत साढ़े वर्षों में हमने एक ऐसी किसान हितैषी सरकार देखी है, जो किसानों की हर समस्या की चिंता भी करती है और समाधान के उपाय भी निकालती है।

राष्ट्रीय परिषद् एक स्वर में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा सरकार की कृषि विकास को समर्पित किसान हितैषी नीतियों के लिए उनकी सराहना करते हुए एक बार फिर यह संकल्प व्यक्त करती है कि 2019 में एक बार फिर हम श्री नरेंद्र मोदी जी को प्रचंड बहुमत विजय दिलाकर कृषि विकास की इस किसान हितैषी यात्रा को अनवरत आगे बढ़ाएंगे। ■

'हम देश के गरीबों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में सफल हुए हैं'

भाजपा राष्ट्रीय अधिवेशन में केंद्रीय विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज ने गरीब कल्याण पर प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जिसका अनुमोदन झारखंड के मुख्यमंत्री श्री रघुबर दास, बिहार प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री नित्यानंद राय, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री श्री अर्जुन मुंडा एवं भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री दुष्यंत गौतम ने किया।

इस प्रस्ताव में कहा गया है कि गरीब के सबलीकरण से ही देश का सबलीकरण होता है। समाज में जब तक विभिन्न वर्गों के पास विकास के समान अवसर नहीं होंगे, तब तक पूरा देश प्रगति नहीं करता। इसके लिए तेज गति से विकास और सबका विकास हो, ये मोदी सरकार की भूमिका पिछले साढ़े चार वर्षों में रही है। मोदी जी के नेतृत्व में 5 साल में गरीब कल्याण के इतने काम हुए हैं कि ये 70 साल का गरीब कल्याण का सबसे बड़ा और सफल कालखण्ड सिद्ध हुआ है, इसके लिए भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय परिषद प्रधानमंत्री जी का एक बार फिर से अभिनंदन और अभिवादन करती है।

हम यहां गरीब कल्याण पर पारित प्रस्ताव का पूरा पाठ प्रकाशित कर रहे हैं:–

भारतीय जनता पार्टी की सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गरीब कल्याण व गरीबों के सामाजिक और आर्थिक उत्थान के लिए किये गए कार्यों, लागू की गयी योजनाओं तथा स्पष्ट व दूरगामी नीतियों की सराहना करती है। पिछले साढ़े चार वर्षों में भाजपा सरकार की स्पष्ट नीति, साफ़ नीयत और निर्णयकारी नेतृत्व का परिणाम है कि हम देश के गरीबों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में सफल हुए हैं। आज से साढ़े चार वर्ष पूर्व जब श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी तब और वर्तमान के बीच परिवर्तन की एक स्पष्ट छाप दिखाई देती है।

आजादी के बाद कांग्रेस लंबे समय तक सत्ता में रही, लेकिन गरीबों का जीवन स्तर न तो बेहतर हुआ और न ही उन्हें न्याय मिला। कांग्रेस ने देश के गरीबों को हमेशा वोट बैंक ही समझा। गरीबों की समस्याओं का दूरगामी और बुनियादी समाधान देने की बजाय कांग्रेस ने सत्ता में रहते हुए दशकों तक उन्हें टुकड़ों-टुकड़ों में कुछ अस्थायी सहूलियतें

(entitlement)देकर उनके वोट हासिल करने की नीयत से काम किया। यही कारण रहा कि दशकों बाद तक गरीबों का सशक्तिकरण (empowerment) नहीं हो पाया और उनको उनके बुनियादी अधिकार तक उचित रूप में नहीं मिल पाए। लेकिन गरीब पारिवारिक पृष्ठभूमि से आने वाले प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने इस परिस्थिति को समझते हुए, परिवर्तन लाने की प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया। अंत्योदय का लक्ष्य और गरीब कल्याण के ध्येय के साथ यथास्थिति में आमूलचूल परिवर्तन करके गरीबों एवं आर्थिक व सामाजिक रूप से कमजोर लोगों के जीवन में बेहतरी के लिए अनेक ऐतिहासिक निर्णय अपने साढ़े चार साल के कार्यकाल में लिए।

भारतीय जनता पार्टी का यह मानना है कि जब गरीबों का कल्याण होता है तभी पूरे देश के उत्थान का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। अगर हमें अपनी क्षमताओं का संवर्धन करके देश के विकास को नई उंचाई पर पहुंचाना है तो समाज के हर वर्ग की प्रगति के बिना यह हासिल नहीं हो सकता। इसलिए "सबका साथ, सबका विकास" के अपने नारे को यथार्थ करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने समाज के अंतिम पायदान पर खड़े हर उस व्यक्ति के सशक्तिकरण की चिंता की, जो सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़ेपन का शिकार है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने पिछले साढ़े चार वर्षों में दलित, शोषित, पीड़ित एवं वंचित वर्गों के कल्याण के लिए वो करके दिखाया जो कांग्रेस के 60 साल में कभी नहीं हुआ। गरीब कल्याण के प्रति समर्पित योजनाओं, नीतियों एवं निर्णयों के लिए भारतीय जनता पार्टी की यह राष्ट्रीय परिषद प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का एक स्वर में अभिनंदन करती है।

गरीब का हक गरीब तक पहुंच रहा

आजादी के बाद से ही दशकों तक कांग्रेस ने 'गरीबी हटाओ' का नारा दिया, लेकिन गरीबी हटाने में विफल रही। कांग्रेस के विकास के मानकों में 'गरीबों' की स्थिति सिर्फ चुनावी नारे तक सीमित थी। कांग्रेस के प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी कहते थे कि मैं 100 रुपए दिल्ली से भेजता हूं तो 15 रुपए ही गरीब को मिलते हैं। यह उस दौर की बात है जब पंचायत से दिल्ली तक ज्यादातर कांग्रेस का राज हुआ करता था। अतः यह बताने की जरूरत नहीं है कि 85 रुपए कहां जाते होंगे। आज स्थिति अलग हो चुकी है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा की केन्द्र सरकार द्वारा उठाये गये क़दमों की बदौलत विगत साढ़े चार वर्षों में अब यह चित्र बदल चुका है।

भाजपा सरकार ने गरीब का हक सीधे उसके खाते में पहुंचे, इसको सुनिश्चित करने के लिए तमाम योजनाओं में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (DBT)को लागू किया। उसका परिणाम है कि आज DBT के माध्यम से 431 योजनाओं के 4 लाख करोड़ रुपए गरीब के खाते में बिना किसी बिचौलिए के सीधे पहुंच रहे हैं। यह परिवर्तन का प्रतीक है कि श्री राजीव गांधी के जमाने में जो 100 में से 15 रुपए ही गरीब को मिलते थे, आज श्री नरेंद्र मोदी के जमाने में अब 100 के 100 रुपए गरीब को मिलते हैं।

नागरिकों पर भरोसा: पहचान का आधार

गरीब कल्याण को लेकर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का दृष्टिकोण बहुआयामी है। वे इसको सम्पूर्णता में वो उसको देखते हैं। यही कारण है विकास के इस चक्र की शुरुआत उन्होंने गरीब को पहचान देकर की। आज देश के 122 करोड़ लोगों को आधार कार्ड मिले हैं जिसकी दुनियाभर में प्रशंसा हो रही है, क्योंकि इतना बड़े पैमाने पर पहचान पत्र देनेका काम कोई देश नहीं कर पाया है। 6लाख गांव/25 लाख बस्तियों तक ये आधार कार्ड पहुंचाकर उन्होंने गरीब के हाथ में उसके विकास का पत्र दिया है। आधार कार्ड से गरीबों को सिर्फ पहचान ही नहीं मिली बल्कि उनके विकास का रास्ता मोदी जी ने खोल दिया है।

श्री नरेंद्र मोदी ने सत्ता की बागडोर सम्भालते ही देश की गरीब जनता एक ऐसा अधिकार दिया, जो सरकार का नागरिक और नागरिक का सरकार, पर भरोसे को मजबूत करता है। ब्रिटिश जमाने से चलती आ रही एक कानूनी परंपरा, जिसे कांग्रेस के जमाने तक आगे चलाया गया, को श्री नरेंद्र मोदी ने समाप्त किया। एक सामान्य व्यक्ति को सत्यापन जैसी सामान्य प्रक्रिया के लिए भी सरकारी मुलाजिम का ठप्पा लगवाना जरूरी था। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने ये सरकारी ठप्पा लगाने की जरूरत को खत्म किया और उसको खुद का सत्यापन खुद करने का अधिकार दिया। अब देश का कोई भी व्यक्ति अपने हस्ताक्षर से स्व-सत्यापन कर सकता है। यह भी आम नागरिक के सबलीकरण का एक उदाहरण है।

जनधन की पहुंच जन-जन तक

यह एक विडंबना ही थी कि आजादी के बाद सात दशकों में देश की एक बड़ी जनसंख्या मुख्यधारा के अर्थतंत्र का हिस्सा नहीं बन पाई थी। दशकों पूर्व कांग्रेस द्वारा बैंकों का राष्ट्रीयकरण गरीबों के नाम पर ही किया गया था, लेकिन राष्ट्रीयकरण के 47 साल बाद भी करोड़ों ऐसे परिवार थे जिनमें एक भी बैंक में खाते नहीं था। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने "जन धन योजना"के माध्यम से देश के करोड़ों गरीब परिवारों को मुख्यधारा के अर्थतंत्र से जोड़ने का बीड़ा उठाया और बहुत कम समय में 32 करोड़ गरीबों के जन धन खाते खोले गये। इन खातों में माध्यम देश के गरीबों ने 80 हजार करोड़ की बचत की है। देश की बैंकिंग प्रणाली का हिस्सा बनने का सर्वाधिक लाभ गरीबों को यह हुआ कि उन्हें बिचौलियों से मुक्ति मिल गयी। उनके हक़ का पैसा उनके खातों में उन्हें सीधे मिलने लगा। इससे भ्रष्टाचार पर भी प्रहार हुआ है। देश के गरीबों का सालाना 80 हजार करोड़ रुपए जो बिचौलिये खा जाते थे, उसकी बचत हुई और ये पैसा देश के विकास के लिए उपलब्ध हुआ है।

बैंकिंग प्रणाली पोस्ट पेमेंट बैंक शुरू करने का निर्णय भाजपा सरकार ने लिया। यह बैंकिंग व्यवस्था में एक ऐतिहासिक निर्णय है। दशकों तक जिस बैंक तक गरीब और वंचित समाज की पहुंच नहीं हो पाई थी, श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा गरीबों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए संकल्पबद्ध प्रतिबद्धता ने इस व्यवस्था के माध्यम से बैंक की पहुंच गरीब के द्वार तक कर दी। आर्थिक लेनदेन करने के लिए डेढ़ लाख नए केंद्र खुल गए और इससे बैंकिंग व्यवस्था सामान्य जनता के पास सुगमता से पहुंच गई। अब खत पहुंचाने वाला डाकिया भी पैसे की लेन-देन करने लगा है। श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बैंकिंग व्यवस्था का सरलीकरण गरीबों के लिहाज से जितना हुआ है, उतना इतिहास में कभी नहीं हुआ। मोदी सरकार ने गरीब के घर के द्वार पर ही बैंकिंग सेवाओं को उपलब्ध कराया है।

गरीबों को आर्थिक सुरक्षा

गरीबों के आर्थिक सुरक्षा की चिंता प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार की प्राथमिकता रही है। बीमा सुरक्षा प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के द्वारा 14 करोड़ लोगों ने मात्र 12 रुपए प्रति वर्ष भरकर 2 लाख रुपए की दुर्घटना बीमा योजना का लाभ लिया है। इसमें अब तक करीब 29 हजार लोगों को कुल 580 करोड़ रकम दुर्घटना की परिस्थिति मे मिली है। ऐसी ही जीवन ज्योति बीमा योजना बेहद लोकप्रिय हुई है जिसमें गरीब रोज मात्र 90 पैसे का प्रीमियम देकर स्वंय के नही रहने के बाद परिवार को 2 लाख रुपए मिलने की सुरक्षा प्राप्त करता है। यह दुनिया की सबसे सस्ता प्रीमियम है। इस योजना में भी लगभग 5.50 करोड़ गरीबों ने पॉलिसी खरीदी और अब तक करीब 1 लाख 24 हजार परिवारो को बीमा धारक की प्राकृतिक मृत्यु की परिस्थिति मे करीब 2,480 करोड़ रुपये मिले हैं। इसी के साथ रोज 7 रुपए जमा करके 60 साल के बाद किसीभी व्यक्ति को 5000 रुपए महीने का पेंशन जिंदगी भर मिलने की व्यवस्था अटल पेंशन योजना में की गई है। आज तक इसके 1 करोड 24 लाख खाते खुल गए हैं और हर महीने गरीब अब अपने भविष्य की सुरक्षा के लिए उसमें बचत कर रहा है। ईपीएस 95 के तहत समाज के अनेक कामगार वर्गों को मात्र रू. 100 200 अथवा 300 रुपए ही पेंशन पहले मिलता था। भाजपा सरकार ने आते ही इस योजना के तहत न्यूनतम पेंशन 1000 रुपए करके ऐसे 36 लाख पेंशनभोगियों को बहुत बड़ा लाभ दिया है।

एक गरीब परिवार की आर्थिक सुरक्षा के लिए इन योजनाओं के माध्यम से भाजपा की मोदी सरकार ने लोक कल्याण के उच्च मानदंडों को स्थापित किया है। एक कल्याणकारी, विकासोन्मुख और गरीबों की चिंता करने वाली सरकार के रूप में इस सरकार ने आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया, जो अभिन्दन करने योग्य है।

स्वस्थ भारत, समृद्ध भारत

आयुष्मान योजनाः गरीब को सबसे बड़ी समस्या तब आती है जब उसके परिवार में कोई बीमार होता है। दुनिया की सबसे अनूठी आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना शुरू करके श्री नरेंद्र मोदी जी ने देश के 10 करोड़ परिवार एवं 50 करोड़ जनता को आरोग्य का लाभ दिया है। इस योजना के तहत 1350 प्रकार के उपचार में गरीब का प्रतिवर्ष 5 लाख तक के इलाज की निशुल्क व्यवस्था होगी। इसके लिए गरीब जनता को एक कार्ड उपलब्ध कराया जा रहा है। और अगर कार्ड न मिला हो तो आधार कार्ड के आधार पर ही उसको यह लाभ मिल रहा है। इसके अंतर्गत पहले 100 दिनों में 6 लाख से ज्यादा बीमार गरीब व्यक्तियों को सरकारी एवं निजी अस्पतालों में मुफ्त इलाज मिल चुका है। 50 करोड़ जनता को यह राहत बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि पहले इलाज के लिए पैसे न होने की स्थिति में गरीब को जमीन बेचने, घर गिरवी रखने, साहूकार से कर्जा लेने इत्यादि जैसी मजबूरी से गुजरना पड़ता था। अब बिना एक पैसे खर्च किए गरीब का सही और अच्छा इलाज होने लगा है। आजादी के 70 साल बाद आयुष्मान भारत योजना ने गरीब को एक नई जिंदगी दी है। इसके साथ साथ वेलनेस सेंटर शुरू हो रहे हैं जहां गरीब के स्वास्थ्य की हर साल विभिन्न प्रकार के परीक्षण और समुचित सलाह की मुफ्त व्यवस्था होगी।

गरीबों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए संकल्पबद्ध प्रतिबद्धता ने इस व्यवस्था के माध्यम से बैंक की पहुंच गरीब के द्वार तक कर दी। आर्थिक लेनदेन करने के लिए डेढ़ लाख नए केंद्र खुल गए और इससे बैंकिंग व्यवस्था सामान्य जनता के पास सुगमता से पहुंच गई। अब खत पहुंचाने वाला डाकिया भी पैसे की लेन-देन करने लगा है। श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बैंकिंग व्यवस्था का सरलीकरण गरीबों के लिहाज से जितना हुआ है, उतना इतिहास में कभी नहीं हुआ।

गरीबों को मिल रही सस्ती और सुलभ चिकित्साः दवाइयों को सस्ता और सुलभ बनाने के लिए भाजपा सरकार के प्रयास सराहनीय हैं। गत साढ़े चार वर्षों में 1085 जरूरी दवाओं के दाम घटाए गए जिससे गरीबों के सालाना खर्चे में 15 हजार करोड़ रुपए तक की बचत हुई है। इसके अलावा 4300 जन औषधि केन्द्रों को खोला गया है, जहां अधिकांश दवाएं 50 प्रतिशत सस्ते दर पर अब मिलती है। एक विशेष निर्णय कर मोदी सरकार ने हृदय में लगने वाले स्टेंट की कीमत जो 1.5 से 2 लाख रुपए थी उसे घटाकर 20000-37000 लगभग कर के गरीबों को सीधे राहत पहुंचाई। गरीबों की जरूरतों के प्रति संवेदनशील मोदी सरकार ने इसी प्रकार का एक और ऐतिहासिक निर्णय लेकर घुटने बदलने के ऑपरेशन में लगने वाले दाम में भी 60 से 70 प्रतिशत तक की कटौती की। कैंसर, हृदय रोग जैसे बीमारियों में जहां दवाओं के दाम बहुत महंगे होते हैं, वहां अमृत फार्मेसी द्वारा अब उसकी महंगी दवा 70 से 80

प्रतिशत डिस्काउंट पर उपलब्ध कराई जाती है। 500 जिलों में गरीब के लिए मुफ्त और सामान्य जनता के लिए सस्ती डायलिसिस की व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है।

मिशन इंद्रधनुष: मिशन इंद्रधनुष के तहत 4 करोड़ नवजात शिशुओं को 5 तरह के टीकाकरण करके उनका स्वास्थ्य जन्म से ठीक रहे इसकी व्यवस्था की है। 50 लाख से अधिक प्रसूता महिलाओं को प्रत्येक वर्ष 6000 रुपए प्रोत्साहन राशि दी गई। इसी के साथ-साथ बच्चों का पोषण अभियान भी सघनता से चल रहा है। मोदी सरकार की यह सारी व्यवस्थायें जनता को स्वास्थ्य की सुरक्षा देने में सफल हुई है।

विद्युतीकरण: गांव–गांव से घर–घर तक

वर्ष 2014 में जब देश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार आई, तब लगभग 18000 गांव थे, जो बिजली की पहुंच से दूर थे। श्री नरेंद्र मोदी ने 1000 दिन में यह काम पूरा करने का संकल्प लिया और 1000 दिन से पहले ही इस संकल्प को साकार भी किया। इन हजारों गांव में लोगों ने कभी बिजली नहीं देखी उनको घर में अब बिजली मिलने लगी। इसके अलावा अनेक गांवों में बिजली पहुंचने के बावजूद भी सभी घरों में बिजली कनेक्शन नहीं होती थी। इसके बाद सरकार 'सौभाग्य योजना' के तहत घर-घर तक मुफ्त बिजली पहुंचाने का संकल्प लिया। ऐसे 4 करोड़ घर सरकारने ढूंढ निकाले और उन 4 करोड़ घरों को निःशुल्क बिजली देने का लक्ष्य रखा है। सरकार ने अब ऐसे ढाई करोड़ लोंगों के घर में बिजली कनेक्शन पहुंचा भी दिया है। आज बिहार, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, जम्मू कश्मीर, उत्तराखंड, त्रिपुरा, मिजोरम, सिक्किम इत्यादि राज्यों में अब एक घर भी बिना बिजली का नहीं बचा है। जो काम 70 साल में नहीं हुआ वो 4 साल में करके दिखाया यही मोदी सरकार की अलग पहचान है।

उज्ज्वला योजना: महिलाओं के जीवन स्तर में परिवर्तन

आज देश की 6 करोड़ गरीब महिलाओं को उज्ज्वला योजना के तहत गैस का कनेक्शन,गैस चूल्हा तथा पहला सिलेण्डर मुफ्त मिला है। इससे पहले लकड़ी का चूल्हा जलानेसे महिला के शरीर में रोज 400 सिगरेट के जितना धुआं जाता था। गरीब महिलाओं का जीवन इस धुंए का आदी हो चला था। लेकिन एक गरीब-हितैषी संवेदनशील सरकार गरीबों के दर्द को समझती भी है और उसका निराकरण भी करती है, इसे मोदी सरकार ने साबित किया है। गरीब के घर का धुआं खत्म हुआ और उनमें सही मायने में एक नई रोशनी आई। इसी के साथ अन्य वर्गों में भी 6 करोड़ नए गैस कनेक्शन दिए गए। आज तक कभी भी मात्र 5 साल में 12 करोड़ नए गैस कनेक्शन नहीं दिए गए थे।

आवास: बेघरी से मुक्ति का संकल्प

मनुष्य के जीवन की एक और महत्वपूर्ण जरूरत होती है आवास की। प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना में गरीबों को पहले 70 हजार रुपए आवास बनाने के लिए मिलते थे, जो अब वर्तमान भाजपा सरकार में बढ़कर 1,50,000 रुपए हो गये हैं। गरीब से गरीब परिवार के पास बुनियादी सुविधाओं से युक्त पक्का मकान हो, सरकार इस दिशा में सफलतापूर्वक कार्य कर रही है। इसमें 12,000 रुपए गरीब को शौचालय बनाने के लिए भी मिलने लगे हैं। आज 1 करोड़ से ज्यादा गरीबों को खुद के मकान मिल चुके हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना की ये एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। शहरों में अफोर्डेबल हाउसिंग में फ्लैट लेने वाले मध्यम वर्ग को भी गृह लोन के ब्याज में लगभग 3 लाख रुपए की सहूलियत देने का कार्य वर्तमान सरकार ने किया है।

गरीब की प्राथमिक आवश्यकता पोषण के लिए अनाज है। कांग्रेस के जमाने में केवल 11 राज्यों में 32 करोड़ लोगों को ही "अन्न सुरक्षा योजना" दी गयी थी। मोदी जी के नेतृत्व वाली सरकार ने "अन्न सुरक्षा योजना" सभी 36 राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेशों में लागू की। इससे अब 80 करोड़ गरीब एवं सामान्य लोगों को इसका लाभ मिल रहा है। इसके तहत 2 रुपए किलो गेहूं और 3 रुपए किलो चावल रियायती दरों पर गरीब वर्गों को मिलने लगा है।

अन्न सुरक्षा योजना

गरीब की प्राथमिक आवश्यकता पोषण के लिए अनाज है। कांग्रेस के जमाने में केवल 11 राज्यों में 32 करोड़ लोगों को ही "अन्न सुरक्षा योजना" दी गयी थी। मोदी जी के नेतृत्व वाली सरकार ने "अन्न सुरक्षा योजना" सभी 36 राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेशों में लागू की। इससे अब 80 करोड़ गरीब एवं सामान्य लोगों को इसका लाभ मिल रहा है। इसके तहत 2 रुपए किलो गेहूं और 3 रुपए किलो चावल रियायती दरों पर गरीब वर्गों को मिलने लगा है।

भ्रष्टाचार मुक्त मनरेगा

वर्ष 2014 में महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार योजना के तहत जहां केवल सिर्फ 27 हजार करोड़ रुपए खर्च होते थे, उसे बढ़ाकर 2018 में अब 54 हजार करोड़ रुपए मोदी सरकार दे रही है। इसके कारण 142 करोड़ मानव दिवस का अधिक रोजगार गरीब को सुनिश्चित हुआ है। गरीब को मजदूरी देने वाले इस कार्यक्रम में अब 56 प्रतिशत हिस्सा महिलाओं का है। पहले इस योजना में मजदूरी का भुगतान महीनों बाद होता था, लेकिन सरकार ने इस दिशा में बड़ा सुधार किया है। अब 15 दिन में सरकार सीधे मजदूरों के खाते में उसके मजदूरी का पैसा डालती है जिससे इसमें होने वाली लेट लतीफी और भ्रष्टाचार खत्म हुआ है। गरीब को जीवन-यापन करने के लिए उसकी मेहनत का उचित मूल्य

मिलनी चाहिए इसके लिए सरकार ने न्यूनतम मजदूरी में 42 प्रतिशत वृद्धि करने का ऐतिहासिक फैसला भी लिया, जिसका फायदा 60 लाख मजदूरों को प्रत्यक्ष तौर पर हुआ है।

प्रत्येक मजदूर को प्रोविडेंट फंड का यूनिक खाता सरकार ने बनाया, जिससे अब उसके प्रोविडेंट फंड की बचत राशि उसके नौकरी बदलने के बाद भी नए रोजगार में उसे मिलेगी। मुद्रा योजना में 15 करोड़ गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों को 7 लाख करोड़ से अधिक की राशि मिली है, जिसमें 1 लाख तक का कर्जा बिना गारंटी देने की व्यवस्था है। इसमें 74 प्रतिशत महिलाओं का है जिनको ऋण मिले हैं और उन्होंने अपने छोटे-छोटे व्यवसाय शुरू किए हैं। कांग्रेस चाय वाला,पकौड़ा वाला बोलकर जब गरीब के स्वरोजगार का मजाक उड़ाती है, तब मोदी सरकार गरीबों को स्वाभिमान से जीने के लिए साधन उपलब्ध करवाती है। यही भाजपा और कांग्रेस सरकार का फर्क है।

आधारभूत संरचना: विकास की रफ्तार हुई तेज

सड़क निर्माण: बुनियादी ढांचे में सुधार विकास की पहली आवश्यकता है। कांग्रेस के जमाने में जहां केवल 70 कि.मी. ग्रामीण सड़कों का प्रतिदिन निर्माण होता था, वह अब दोगुना होकर 140 कि.मी. प्रतिदिन हो चुका है। 1,80,000 कि.मी. की सड़कों के निर्माण का कार्य गत 4 साल में पूरा हुआ है। मई, 2014 में ग्रामीण सड़कें पहले जहां 56 प्रतिशत गांवों तक पहुचीं थी वह अब बढ़कर अगस्त, 2018 में 91 प्रतिशत गांवों तक पहुंच गयी हैं।

संचार व्यवस्था: संचार भी एक महत्वपूर्ण सुविधा है। आज अनेक सरकारी सेवाएं और लोगों के काम ऑनलाइन होने लगे हैं। इसके लिए 4 साल में 2 लाख 25 हजार नए सेवा केंद्र स्थापित किए गए हैं। आज कुल सेवा केंद्रों की संख्या 3 लाख से भी अधिक हुई है। पहली बार 122000 लाख ग्राम पंचायतों में लगभग 3 लाख कि.मी. ऑप्टिकल फाइबर केबल का जाल पूरे देश में पिछले 4.5 साल में सरकार ने बिछाया है जोकि 2014 में 59 ग्राम पंचायतों में ही था। ग्राम पंचायतों में लोगों के काम मोबाईल से होने लगे और अनेक गांव में वाई-फाई की सुविधा भी अब मिलने लगी है।

विमानन क्षेत्र: प्रधानमंत्री जी का सपना था कि हवाई चप्पल पहनने वाला व्यक्ति भी हवाई जहाज से यात्रा करने में सक्षम होना चाहिए और इसलिए उड़ान स्कीम का योजना उन्होंने आरंभ करके 2500 रुपए में अनेक क्षेत्रों में हवाई यात्रा की सुविधा दी है। गत 4 वर्ष में 25 नए एअरपोर्ट का निर्माण और उसका उपयोग शुरू हुआ है और आजादी के बाद विमानन क्षेत्र में सबसे ज्यादा गति से विस्तार पिछले 4 साल में हुआ है।

क्षेत्रीय विकास: देश के ऐसे क्षेत्र जो विकास की दौड़ में पीछे छूट गए, ऐसे 115 जिलों की पहचान करके उनको मोदी जी ने उन्हें आकांक्षी जिला कहा है। वहां बैंकिंग, बीमा, गैस, बिजली, स्वास्थ्य, सड़क आदि 7 प्रकार की सुविधाएं सभी लोगों तक पहुंचाने की एक खास मुहिम चलाई गई और 75 हजार गांवों में ये योजना सफलता से सम्पन्न हुई। देश के सारे क्षेत्र जब समान स्तर पर विकसित होंगे तभी देश का सही विकास होगा यह मोदी जी की कल्पना है और इसलिए इन आकांक्षी जिलों में शिक्षा स्वास्थ्य, यातायात और विकास के अन्य सभी कार्यक्रमों की उपलब्धता कराकर इनका तेज गति से विकास करने की योजना बनाई है।

संसाधनों की पहचान और उपयोग: देश के लगभग 150 जिले जहां विभिन्न खनिज, धातु और अन्य प्राकृतिक संसाधनों की खदानें हैं, वहां खदानों की नीलामी से आए हुए पैसे का एक बड़ा हिस्सा उसी स्थान की जनता के विकास के लिए खर्च करने का ऐतिहासिक फैसला मोदी सरकार ने किया। परिणामस्वरूप इन 150 जिलों में 18000 करोड़ रुपए से भी अधिक राशि इसके अंतर्गत विकास के लिए उपलब्ध हुई है। इसी के साथ अन्त्योदय योजना के तहत 2.5 लाख पंचायतों में जो सबसे गरीब तबका है उसे 18 मंत्रालयों के विभिन्न प्रकार के जीविकोपार्जन की योजनाओं से जोड़कर उसके जीवन स्तर को सुधारने का एकीकृत प्रयास सरकार कर रही है।

"बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान" में बहुत बड़ी सफलता सरकार को प्राप्त हुई। बेटी का सम्मान बढ़ा और 104 जिलों में लड़के-लड़कियों के लिंगानुपात में अच्छा सुधार हुआ। बेटियों की विद्यालय में संख्या में बढ़ोतरी हुई उनको पढ़ाई के लिए और अधिक छात्रवृत्ति सरकार ने उपलब्ध कराई है। सुकन्या समृद्धि योजना में एक करोड़ 30 लाख खाते खोलकर बेटियों की शिक्षा से लेकर विवाह तक की व्यवस्था सुनिश्चित करने की और उसको सबल बनाने की दिशा में अभूतपूर्व प्रयास किया है।

महिलाओं का सम्मान और सशक्तिकरण:

"बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान" में बहुत बड़ी सफलता सरकार को प्राप्त हुई। बेटी का सम्मान बढ़ा और 104 जिलों में लड़के-लड़कियों के लिंगानुपात में अच्छा सुधार हुआ। बेटियों की विद्यालय में संख्या में बढ़ोतरी हुई उनको पढ़ाई के लिए और अधिक छात्रवृत्ति सरकार ने उपलब्ध कराई है। सुकन्या समृद्धि योजना में एक करोड़ 30 लाख खाते खोलकर बेटियों की शिक्षा से लेकर विवाह तक की व्यवस्था सुनिश्चित करने की और उसको सबल बनाने की दिशा में अभूतपूर्व प्रयास किया है। बेटियों को सुरक्षा देना भी महत्वपूर्ण है जिसके लिए सरकार ने सख्त कदम अपनाये हैं। बेटियों का बलात्कार करने वालों को अब सीधे फांसी तक की सजा होगी।

समग्र शिक्षा के तहत कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय जिसमें समाज के सबसे वंचित वर्ग से आने वाली बेटियों को पहले सिर्फ आठवीं कक्षा तक शिक्षा और छात्रावास की सुविधा थी उसे सरकार ने बढ़ाकर बारहवीं कक्षा तक कर दिया। 597 छात्रावासों में 5,97,000

छात्राएं अब बारहवीं तक पढ़ाई करेंगी। इसी प्रकार वंचित और ग्रामीण वर्ग के छात्रों के लिए 39 नये नवोदय विद्यालय विगत् साढ़े चार वर्षों में सरकार ने खोले हैं। इसके साथ ही अभी इसी सप्ताह सरकार ने एक और बड़ा निर्णय कर सभी नवोदय विद्यालयों में कुल 5,088 नये सीट बढ़ाने की घोषणा की है। अब इस वर्ष से प्रवेश लेने को इच्छुक विद्यार्थियों को इन बढ़े हुए सीटों का लाभ मिलेगा। इसके अतिरिक्त सरकार ने पिछले मात्र साढ़े चार वर्षों में 109 नये केन्द्रीय विद्यालय भी विभिन्न स्थानों पर खोले हैं।

आंगनबाड़ी में काम करने वाली महिलाओं को पहले कम पारिश्रमिक मिलता था। ऐसी 27 लाख आंगनबाड़ी महिलाओं को महीने का पारिश्रमिक 1500 रुपए यानी डेढ़ गुणा वृद्धि कर अब दी जा रही है। 1.5 लाख आशाकर्मियों का भी मासिक पारिश्रमिक अब 1000 रुपए से दुगुना कर 2000 रुपए कर दिया गया है। इसके साथ-साथ उन्हें अब सामाजिक सुरक्षा के बीमा योजनाओं का भी लाभ दिया जा रहा है।

शिक्षा गुणवत्ता: पढ़े भारत, बढ़े भारत

सबको शिक्षा अच्छी शिक्षा के तहत सरकारी स्कूलों में शिक्षा के स्तर में सुधार करने के लिए "समग्र शिक्षा" की नई योजना का प्रारंभ किया गया है। सरकारी स्कूलों में शिक्षा अच्छी हो, विद्यार्थियों को लर्निंग आउटकम्स प्राप्त हो, इस दिशा में सरकार ने समग्र प्रयास किया है। इसके अलावा विभिन्न प्रकार की छात्रवृत्तियों में भी 50 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी की गई है। सभी स्कूलों में लड़कियों के लिए 4 लाख से अधिक अलग शौचालय बनाए गए और जहां विद्यालयों में कम शौचालय थे वहां भी संख्या बढ़ाकर 12.5 लाख शौचालय का निर्माण किया गया है। 11 लाख से ज्यादा सरकारी विद्यालयों को लाइब्रेरी और खेलकूद के सामान के लिए 5000 रुपए से 20000 रुपए सालाना अनुदान देने की व्यवस्था "पढ़े भारत-बढ़े भारत, खेले इंडिया-खिले इंडिया"अभियान में की गई है।

सामान्य वर्ग को 10 फीसद आरक्षण

सरकार ने गरीब और मध्यम वर्ग के लिए ऐतिहासिक एवं क्रांतिकारी निर्णय लिया है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को आय के आधार पर 10 प्रतिशत आरक्षण नौकरियों में एवं उच्च शिक्षा में मिलेगा। इसके लिए संविधान संशोधन किया है। इससे ब्राह्मण, बनिया, कापू, मराठा, पटेल, जाट, राजपूत (जहां नहीं मिलता था) आदि सभी आरक्षण न मिलने वाले समूह तथा सभी धर्मों के गरीबों को भी यह लाभ मिलेगा। गरीबों की यह मांग 70 साल में पूरी नहीं हुई थी, जो अब पूरी हो रही है। इस ऐतिहासिक फैसले का यह अधिवेशन स्वागत करती है और माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का अभिनंदन करती है।

सरकार ने गरीब और मध्यम वर्ग के लिए ऐतिहासिक एवं क्रांतिकारी निर्णय लिया है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को आय के आधार पर 10 प्रतिशत आरक्षण नौकरियों में एवं उच्च शिक्षा में मिलेगा। इसके लिए संविधान संशोधन किया है। इससे ब्राह्मण, बनिया, कापू, मराठा, पटेल, जाट, राजपूत (जहां नहीं मिलता था) आदि सभी आरक्षण न मिलने वाले समूह तथा सभी धर्मों के गरीबों को भी यह लाभ मिलेगा। गरीबों की यह मांग 70 साल में पूरी नहीं हुई थी, जो अब पूरी हो रही है।

दिव्यांगों के लिए विशेष प्रावधान

समाज में 3 से 5 प्रतिशत लोगों को कुछ न कुछ शारीरिक विकलांगता होती है। इसके लिए सुगम्य भारत योजना लाकर सभी सरकारी भवनों में दिव्यांगों के सुगम आवागमन के लिए रैंप तैयार करने की व्यवस्था की गई है। 8 लाख से ज्यादा दिव्यांगों का 7000 से अधिक कैंपों में विभिन्न उपकरण बांटे गए हैं। दिव्यांगों का आरक्षण 3 प्रतिशत से बढ़ाकर 4 प्रतिशत सरकार ने किया है। दिव्यांगों को तकनीकी शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति की सुविधा बढ़ाई गई है। साइन लंग्वेज के अनुसंधान का केंद्र पहली बार देश में खोला गया है। पहले केवल 7 प्रकार की विकलांगता को ही चिन्हित किया गया था अब इसे बढ़ाकर 21 प्रकार के विकलांगों को इसमें शामिल किया गया है।

आदिवासियों को वनोपज पर पहली बार अब न्यूनतम समर्थन मूल्य की व्यवस्था सरकार ने की है जिससे उनकी आमदनी में बढ़ोत्तरी हुई है। वनबंधु कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं का लाभ आदिवासियों को मिला है। आदिवासियों को खेती के लिए सरकार ने लाखों एकड़ भूमि के वनपट्टे दिए हैं।

डॉ. बाबा साहब अंबेडकर की जन्म भूमि, शिक्षा भूमि, कर्म भूमि, दीक्षा भूमि एवं महापरिनिर्वाण भूमि का पंचतीर्थों के रूप में विकास करके भव्य स्मारक सरकार ने बनाए हैं। अंबेडकर इंटरनेशनल संस्थान की शुरुआत भी इसी सरकार ने की है। दलित,आदिवासी योजनाओं का अलग बजट 95,000 करोड़ रुपये का किया गया और ओबीसी समुदाय के कल्याण के लिए बजट में 41 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। पिछड़े वर्गों के लिए संवैधानिक आयोग बनाने का सपना भी सरकार ने पूरा किया है।

गरीब के सबलीकरण से ही देश का सबलीकरण होता है। समाज में जब तक विभिन्न वर्गों के पास विकास के समान अवसर नहीं होंगे तब तक पूरा देश प्रगति नहीं करता। इसके लिए तेज गति से विकास और सबका विकास हो ये मोदी सरकार की भूमिका पिछले साढ़े चार वर्षों में रही है। मोदी जी के नेतृत्व में 5 साल में गरीब कल्याण के इतने काम हुए हैं कि ये 70 साल का गरीब कल्याण का सबसे बड़ा और सफल कालखण्ड सिद्ध हुआ है, इसके लिए भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय परिषद प्रधानमंत्री जी का फिर से एक बार अभिनंदन करती है और उनका अभिवादन करती है। ■

कांग्रेस का रास्ता दलों को तोड़ने का है, हमारा रास्ता दिलों को जोड़ने का है: नरेन्द्र मोदी

भाजपा राष्ट्रीय अधिवेशन के दूसरे दिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने प्रेरक समापन भाषण दिया, जिससे कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार हुआ। श्री मोदी ने कहा कि केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार के कार्यकाल ने यह साबित किया है कि देश में बदलाव लाया जा सकता है और सरकार बगैर भ्रष्टाचार के भी चलाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि विपक्षी मिलकर 'मजबूर' सरकार बनाना चाहते हैं, लेकिन देश चाहता है कि 'मजबूत' सरकार बने।

हम यहां उनके भाषण का सारांश प्रकाशित कर रहे हैं-

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 12 जनवरी को नई दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में आयोजित भाजपा के दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए 2019 में फिर से देश के विकास को समर्पित भारतीय जनता पार्टी सरकार को बनाने का आह्वान किया। उन्होंने युगपुरुष स्वामी विवेकानंद जी की पावन 150वीं जन्म जयंती के शुभ अवसर पर उन्हें नमन करते हुए देश के प्रगति के पथ पर आगे बढ़ते रहने की कामना की। साथ ही, उन्होंने पार्टी के लिए गत वर्ष में त्याग और बलिदान देने वाले अमर कार्यकर्ताओं को भी अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि बीते वर्ष भाजपा के जिन कार्यकर्ताओं को विरोधी पार्टियों की राजनीतिक हिंसा की वजह से जान गंवानी पड़ी, उनके परिवारों के प्रति भी मैं संवेदना व्यक्ति करता हूं।

श्री मोदी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय परिषद् की यह पहली बैठक है जो श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के बिना हो रही है। उन्होंने कहा कि वे जहां भी होंगे, वे पार्टी कार्यकर्ताओं की इस अदम्य ऊर्जा और राष्ट्र के प्रति समर्पण को देखकर उन्हें संतोष की अनुभूति हो रही होगी। उन्होंने कहा कि यदि कोई राजनीतिक दल देश को प्रगति के पथ पर एवं विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जा सकता है तो वह केवल और केवल भारतीय जनता पार्टी ही है।

कांग्रेस की फर्स्ट फैमिली का भ्रष्टाचार

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले पांच वर्षों के शासनकाल में केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार पर भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं लगा जबकि हमसे पहले की कांग्रेस सरकारों ने देश को भ्रष्टाचार के अंधेरे में धकेल दिया था। उन्होंने कहा कि यदि ये कहा जाय तो भारत ने 2004 से 2014 के महत्वपूर्ण 10 साल घोटालों और भ्रष्टाचार में गंवा दिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसका नामदार परिवार सिस्टम को कैसे तोड़ता है, उसका जीता-जागता उदाहरण है - नेशनल हेराल्ड मामला जिसमें कांग्रेस के वर्तमान अध्यक्ष और निवर्तमान अध्यक्ष, दोनों बेल पर जेल से बाहर हैं। इससे यह पता चलता है कि कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व जनता का जमीन और गरीबों का धन भी हड़प लेते हैं। यह केस यूपीए सरकार के वक्त से ही चला आ रहा है। 2012 में इस केस और यंग इंडिया के मामले की जांच शुरू हुई। इतनी सारी एजेंसियों ने समन और नोटिस भेजे, लेकिन कांग्रेस की फर्स्ट फैमिली अपने आपको सबसे ऊपर मानती है। उन्हें लगा कि हम नामदार हैं, राजा हैं और हमसे पूछताछ कैसे हो सकती है। उन्हें सच बताने में बड़ी दिक्कत होती है। जमानत पर बाहर घूमने वाले ये लोग जो किसी संस्था की

इज्जत नहीं करते, वे देश का क्या आदर करेंगे?

सल्तनत और संविधान की लड़ाई और घोटालेबाजों के मन में सीबीआई का डर

प्रधानमंत्री ने कहा कि हम संसद में एनिमी प्रॉपर्टी का एक्ट लेकर लाए, कांग्रेस और गठबंधन के साथियों ने उसका विरोध किया। हम सिटीजनशिप अमेंडमेंट बिल लेकर आए, वे फिर विरोध कर रहे हैं। हम कोर्ट के आदेश के तहत एनआरसी लेकर आए और इसका भी विरोध किया गया। हम तीन तलाक बिल लाए, फिर से इन दलों द्वारा विरोध किया गया। ये किस प्रकार की राजनीति है?

श्री मोदी ने कहा कि आन्ध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल के बाद अब कांग्रेस शासित छत्तीसगढ़ ने भी अपने प्रदेश में सीबीआई को प्रतिबंधित कर दिया है। आखिर इनको किस चीज का डर सता रहा है? उन्होंने देश की जनता को याद दिलाते हुए कहा कि जब मैं गुजरात का मुख्यमंत्री था, तब 12 साल तक लगातार कांग्रेस और उसके साथियों ने हर तरीके से मुझे परेशान करने का काम किया। उन्होंने एक मौका नहीं छोड़ा, उनकी एक भी एजेंसी ऐसी नहीं थी, जिसने मुझे सताया न हो। 2007 में कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता जो मंत्री थे, वे खुद गुजरात आए और चुनावी सभा में दावा किया था कि मोदी कुछ महीने के भीतर जेल चला जाएगा। विधानसभा के भीतर कुछ कांग्रेस नेता भाषण देते थे कि मोदी जेल चला जाएगा, लेकिन देश की जनता ने मुंबई की स्पेशल कोर्ट का फैसला सुना होगा कि किस तरह से यूपीए सरकार का एकमात्र एजेंडा था कि मोदी को किसी भी तरह फंसाना। यूपीए शासन में वर्तमान में हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित भाई शाह को जेल में भी डाल दिया गया। तब भी हमने ऐसा कोई नियम नहीं बनाया कि सीबीआई हमारे राज्य में घुस नहीं सकती है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे पास भी सत्ता थी, लेकिन हम कानून में और सत्य में विश्वास रखते थे जबकि दूसरी तरफ ये लोग हैं जो अपने खुलासों से डरे हुए हैं। आज उन्हें सीबीआई स्वीकार नहीं है, कल कोई दूसरी संस्था स्वीकार नहीं होगी। कांग्रेस पर हमला जारी रखते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने खुद को हमेशा देश की सर्वोच्च संस्थाओं से ऊपर माना है। चाहे वह चुनाव आयोग हो, आरबीआई हो, सीबीआई हो, अन्य जांच एजेंसियां हो या फिर सुप्रीम कोर्ट। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस को हटाने के लिए महाभियोग लाने की भी कोशिश कांग्रेस पार्टी ने की थी। कांग्रेस के लिए CAG, CBI, सुप्रीम कोर्ट, SIT, संविधान सब गलत है, केवल फर्स्ट फैमिली सही है। उन्होंने सवाल किया कि क्या हम राष्ट्र को ऐसे लोगों के भरोसे छोड़ सकते हैं? उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सल्तनत के अनुरूप जो भी नहीं होगा, ये उसका विरोध करते हैं जबकि हमें बाबा साहब अंबेडकर के संविधान पर भरोसा है। ये लड़ाई सल्तनत और संविधान में आस्था रखने वालों के बीच की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा ये चाहा है कि वे उन योजनाओं का विरोध करेंगे जिससे देश को बेहतर बनाया जा सके। हमने जब-जब देश के हित में काम करना चाहा तब-तब कांग्रेस ने विरोध किया। हमें कांग्रेस का यह रवैया भूलना नहीं है और किसी को भूलने भी नहीं देना है। जमानत पर बाहर घूमने वाले इन नेताओं को न कानून पर विश्वास है, न सत्य पर भरोसा है, और न ही इनको संस्थानों पर विश्वास है। इनको राजशाही पर भरोसा है, लेकिन हम लोकशाही को मनाने वाले लोग हैं।

अयोध्या मामले का जिक्र करते हुए श्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस अपने वकीलों के माध्यम से न्यायिक प्रक्रिया में बाधा पहुंचाना चाह रही है। कांग्रेस अयोध्या मामले का समाधान नहीं चाहती। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की मानसिकता की वजह से देश की नदियां बर्बाद हो गईं, योग की बात हुई तो कांग्रेस ने मजाक उड़ाया, जीएसटी का उन्होंने मजाक बनाया। अभी हाल में कांग्रेस ने जम्मू-कश्मीर में हो रहे पंचायत चुनाव का विरोध किया। उन्हें देश की संप्रभुता से कोई मतलब नहीं है। ये वही लोग हैं जो सर्जिकल स्ट्राइक का सबूत मांगते हैं। ये वही लोग हैं जो डोकलाम के समय विदेशी राजनायिकों से मिल कर बात कर रहे थे और ये वही लोग हैं जो सिख दंगों में बेगुनाहों के हत्यारों को बचाने की कोशिश करते हैं।

देश हित के लिए परिवर्तन

प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद यदि सरदार पटेल देश के पहले प्रधानमंत्री बने होते तो देश की तस्वीर कुछ और होती और 2004 के बाद यदि श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी ही देश के प्रधानमंत्री बने रहते तो आज भारत कहीं और होता। उन्होंने कहा कि मैं ये दावा तो नहीं करता कि मैंने सारा कार्य पूरा कर दिया लेकिन मैंने दिन-रात एक करके प्रयास किया है कि कि देश के लोगों का जीवन आसान हो। उन्होंने कहा कि जिस रफ्तार से पहले बिजली गांव-गांव घर-घर पहुंचाई जा रही थी उस रफ्तार में कब तक पूरा देश रोशन होता। जिस रफ्तार से सड़कें बन रही थीं, रेलवे लाइन बन रही थी उसी रफ्तार से कब तक काम पूरा होता ये कहा नहीं जा सकता।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस का रास्ता दलों को तोड़ने का है, हमारा रास्ता दिलों को जोड़ने का है। उन्होंने कहा कि हमने देश के विकास और जन-कल्याण के लिए लगभग 129 योजनाओं की शुरुआत की। क्या इसमें से कोई योजना मोदी के नाम से चलती है? एक भी नहीं, क्योंकि हम स्वयं से बड़ा दल और दल से बड़ा देश को मानते हैं। उन्होंने कहा कि हमने योजनाओं की गति को नया आयाम दिया है। हमने हर क्षेत्र में कार्य-संस्कृति में अभूतपूर्व बदलाव करते हुए 'नई ऊर्जा, नई गति' की राह चुनी है जिसके पथ पर आगे बढ़ते हुए देश लगातार विकास की नई ईबारत गढ़ रहा है।

'कॉमन प्रोसेस' बनाम 'कांग्रेस प्रोसेस'

कांग्रेस पर सीधा प्रहार करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 2014 से पहले देश उस स्थिति में था जब बैंकों में अपना पैसे जमा करने वालों की कोई कद्र नहीं थी। जिनके पास जनता के पैसे की रक्षा की जिम्मेदारी थी, वो ही जनता का पैसा लुटा रहे थे। उन्होंने कहा कि 2004 से 2014 के बीच जनता का पैसा कांग्रेस पार्टी की यूपीए सरकार द्वारा अपने घोटालेबाजों के ऊपर लुटाया जा रहा था।

श्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस की सरकार में जनता का पैसा घोटालेबाजों को लोन के रूप में दिया जा रहा था। कांग्रेस के समय लोन लेने के दो तरीके थे। एक था कॉमन प्रोसेस और दूसरा कांग्रेस प्रोसेस। कॉमन प्रोसेस में आप बैंक से लोन मांगते थे और कांग्रेस प्रोसेस में बैंकों को कांग्रेस के घोटालेबाज मित्रों को लोन देने के लिए मजबूर किया जाता था। उन्होंने कहा कि आजादी से लेकर 2008 तक 60 सालों में बैंकों ने मात्र 18 लाख करोड़ रुपये का लोन

दिया था, लेकिन 2008 से 2014 तक ये आंकड़ा बढ़कर 52 लाख करोड़ हो गया अर्थात् कांग्रेस ने अपनी सरकार के आख़िरी 6 साल में 34 लाख करोड़ के लोन दिए गए। हमने कांग्रेस प्रोसेस वाली लोन व्यवस्था पर लगाम लगाई है। इसका परिणाम है कि जहां पहले बैंकों का पैसा जा रहा था, वहीं अब बैंकों का पैसा वापस आ रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के 'कॉमन प्रोसेस' में लोगों को बैंकों से लिया गया ऋण चुकाना ही पड़ता था, जबकि 'कांग्रेस' प्रोसेस में घोटालेबाजों और डिफॉल्टरों को एक लोन चुकाने के लिए दूसरा लोन और दूसरा लोन चुकाने के लिए तीसरा लोन आसानी से मिल जाता था, तिस पर लोन नहीं चुकाने की भी छूट थी। लेकिन मोदी सरकार में अब तक तीन लाख करोड़ रुपया वापिस लाया जा चुका है।

कांग्रेस पार्टी भ्रष्टाचार के आरोपी बिचौलियों के बचाव में

प्रधानमंत्री ने कहा कि इसी प्रोसेस में एक बिचौलिये को पकड़ कर लाया गया है। उन्होंने कहा कि इस राजदार विदेशी बिचौलिए से जांच एजेंसियों की पूछताछ में मीडिया के हवाले से कई खुलासे हो रहे हैं। ये भी अब पता चल रहा है कि यह बिचौलिया केवल हेलिकॉप्टर घोटाले में ही शामिल नहीं है, बल्कि इसके तार कांग्रेस सरकार के समय लड़ाकू विमान की डील से भी जुड़े हुए हैं। इसलिए तो अपनी पोल खुलने के डर से कांग्रेस वाले बिचौलिए के बचाव में उतर आये। उन्होंने कहा कि अब जब बिचौलियों की पोल खुल रही है तो ये अपशब्दों पर उतर आए हैं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि मुझ पर ये लोग कितने भी अपशब्दों का प्रयोग क्यों न करें, ये कितना भी झूठ क्यों न बोलें लेकिन यह चौकीदार रुकने वाला नहीं है। देश को लूटने वाले किसी को भी छोड़ा नहीं जाएगा।

देश हित में परिवर्तन के लिए भाजपा सरकार तत्पर

श्री मोदी ने कहा कि केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार के कार्यकाल ने यह साबित किया है कि देश में बदलाव लाया जा सकता है और सरकार बगैर भ्रष्टाचार के भी चलाई जा सकती है। भाजपा सरकार के कार्यकाल ने यह साबित किया है कि सत्ता के गलियारों में टलहने वाले दलालों को भी बाहर किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जीएसटी से जुड़ना, इनकम टैक्स में बढ़ोत्तरी, सब्सिडी को खुद ही देश-हित में छोड़ना - ये ऐसे बदलाव हैं जो यह सिद्ध करता है कि देश के नौजवान राष्ट्र निर्माण में भागीदार बनना चाहते हैं और देश को आगे ले जाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हम विकास के मार्ग पर 'सबका साथ, सबका विकास' के मूल मंत्र के साथ 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' और 'अन्त्योदय' के सिद्धांत को चरितार्थ करने के लिए प्रयासरत हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है जब केंद्र सरकार पर भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं लगा है। हम सब इस बात पर गर्व कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि जो परंपरा और उच्च मानदंड श्रद्धेय अटल जी हमारे लिए छोड़ गए हैं, उसे हमें मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि हम देश के 16 राज्यों में खुद या सहयोगियों के साथ गठबंधन में सरकार चला रहे हैं और हर सरकार जनता के सेवा में अहर्निश लगी हुई है।

आरक्षण नहीं, गरीब युवाओं की आकांक्षाओं को नया आयाम

श्री मोदी ने कहा कि जब हम 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की बात करते हैं तो उसमें क्षेत्रीय अस्मिताओं और आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए पूरा स्थान है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सरकार ने सामान्य श्रेणी के गरीब युवाओं को शिक्षा और सरकारी नौकरी में 10% का आरक्षण देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है जो नए भारत के आत्मविश्वास को आगे बढ़ाने वाला है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ आरक्षण नहीं है, बल्कि देश के गरीब युवाओं की आकांक्षाओं को पूरा करने का नया आयाम है जो गरीबी के कारण अपने भविष्य को संवारने से वंचित रह जाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि पहले से जिनको आरक्षण की सुविधा मिल रही थी, उनके हक को छेड़े बिना, भारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार द्वारा सामान्य वर्ग को 10% आरक्षण का प्रावधान किया गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज के युवाओं को पता है कि उनकी आवाज सुनी जा रही है। वे जानते हैं कि उनके देश की शान मजबूत हो रही है। वे जानते हैं कि देश की आर्थिक और सामरिक हैसियत मजबूत हो रही है। हमें इस विश्वास को बनाए रखना है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग भ्रम फैलाने में लगे हुए हैं, हमें उनकी साजिश को नाकाम भी करना है।

देश की जनता तय करे कि कैसा प्रधान सेवक चाहिए

श्री मोदी ने देश की जनता का आह्वान करते हुए कहा कि क्या आप अपने घर में ऐसे सेवक को पसंद करेंगे जो परिवार के एक-एक सदस्य को एक दूसरे के खिलाफ भड़काए? जो घर का सामान चोरी करे, पैसा चोरी करे और अपने परिवार और रिश्तेदारों में बांट दे? वह मोहल्ले के कुछ लोगों से मिलकर घर की मान-मर्यादा का अनादर करे? घर की में कोई समस्या हो तो वह 2-2, 3-3 महीने छुट्टी मनाने अज्ञात जगह पर चला जाए? जैसे आप अपने घर में सेवक चाहते हैं, वैसे ही तय करें कि देश का प्रधान सेवक कैसा हो। उन्होंने कहा कि देश को रात-दिन कठोर परिश्रम करने वाला, नागरिकों की अपनेपन से सेवा करने वाला, ईमानदारी को उसूल मानने वाला, सबको एकजुट रखने वाला सेवक चाहिए या वो वाला चाहिए? देश तय करे, देश को कैसा सेवक चाहिए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में एक भ्रम फैलाया जाता है कि मोदी आयेगा तो सब पलट देगा। मैं कहना चाहता हूं कि मोदी भी पार्टी के इसी संगठन की उपज है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी श्रद्धेय अटल जी, श्रद्धेय कुशाभाऊ ठाकरे जी, श्रद्धेय आडवाणी जी जैसे कई तपस्वी मनीषियों से सिंचित पार्टी है, हम 'collective responsibility' में विश्वास रखते हैं। उन्होंने कहा कि 'मेरा बूथ, सबसे मजबूत' इसे बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा कि हमें विरासत में कमजोर जमीन मिली थी, लेकिन इस जमीन को हमनें मजबूत किया है और आने वाले 5 सालों में इसे और मजबूत करना होगा।

श्री मोदी ने कहा कि संगठन के संस्कार से अगर हम तपे नहीं होते तो हम दूसरों की मीठी-मीठी बातों से फिसल चुके होते। उन्होंने कहा कि पार्टी की महान परंपराओं को अपने जीवन में ढालकर, अनुशासन को जीवन में उतार कर और लाखों कार्यकर्ताओं के तप व त्याग के बल पर हम आज यहां तक पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे लिए जन-सेवा ही प्रभु-सेवा है। नर-सेवा ही

नारायण-सेवा है। उन्होंने कहा कि समता, ममता और समरसता हमारे लिए सामाजिक न्याय की सीढ़ियां हैं। विकास, चौतरफा विकास और सबका साथ-सबका विकास ही हमारा लक्ष्य है।

'मजबूर' सरकार बनाम 'मजबूत' सरकार

विपक्ष की तथाकथित गठबंधन की राजनीति पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि जिन राजनीतिक दलों का जन्म ही कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस की कार्यसंस्कृति के विरोध में हुआ, आज वे केवल सत्ता और स्वार्थ सिद्धि के लिए एकजुट हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि उस समय तो कांग्रेस पार्टी अपने चरम पर थी जब उसकी नीतियों और विचारधारा के खिलाफ कई दलों का गठन हुआ लेकिन आज जब कांग्रेस रसातल की ओर जा रही है, उसके नेता भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे हुए हैं, तब भी ये दल कांग्रेस के सामने सरेंडर कर रहे हैं।

श्री मोदी ने कहा कि एक पुरानी कहावत है कि जो सोया है उसे उठाया जा सकता है लेकिन जो उठा हुआ है और सोने का बहाना कर रहा है उसे उठाया नहीं जा सकता है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में इस कथित गठबंधन की बुरी तरह पराजय हुई है और कर्नाटक में इस गठबंधन सरकार के मुख्यमंत्री कहते हैं कि वह क्लर्क बन कर रह गए हैं। उन्होंने कहा कि अभी तो ये ट्रेलर है, अभी गठबंधन की पूरी फिल्म आनी बाकी है। उन्होंने कहा कि यह पहला अवसर है जब एक व्यक्ति के विरोध में सारे दल एक हो रहे हैं। उन्होंने जनता को आगाह करते हुए कहा कि इनका इरादा क्या है, ये हमें समझना है और लोगों को समझाना भी है कि ये सब मिलकर एक मजबूर सरकार बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि यह देश के मतदाताओं को धोखा देने का प्रयास है। ये दल नहीं चाहते कि देश में 'मजबूत सरकार' बने और उनकी दुकान फिर बंद हो जाए।

ये दल मजबूर सरकार इसलिए चाहते हैं ताकि भ्रष्टाचार कर सकें जबकि देश की जनता 'मजबूत सरकार' चाहते हैं ताकि भ्रष्टाचार खत्म हो सके।

वो मजबूर सरकार चाहते हैं ताकि अपने परिवार, अपने रिश्तेदारों का भला कर सकें, हम 'मजबूत' सरकार चाहते हैं ताकि 'सबका साथ-सबका विकास' हो सके।

वो मजबूर सरकार चाहते हैं ताकि रक्षा सौदों में दलाली खाई जा सके जबकि हम मजबूत सरकार चाहते हैं ताकि देश की सेना की हर जरूरत को पूरा किया जा सके।

वो मजबूर सरकार चाहते है ताकि किसानों की कर्जमाफी में भी घोटाला कर सकें, हम मजबूत सरकार चाहते हैं ताकि देश के किसानों की आय को दुगुना करते हुए उन्हें सशक्त बना सकें।

वो मजबूर सरकार चाहते हैं ताकि यूरिया घोटाला हो सके, चीनी घोटाला हो सके, हम मजबूत सरकार चाहते हैं ताकि किसानों को समय पर खाद मिले, अपनी फसलों की उचित कीमत मिले।

वो मजबूर सरकार चाहते हैं ताकि फिर से कॉमनवेल्थ जैसे घोटाले हो सकें, हम मजबूत सरकार चाहते हैं ताकि अपने बच्चों को ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ खेल की दुनिया में आगे बढ़ा सकें, उन्हें आधुनिक सुविधाएं दे सकें।

वो मजबूर सरकार चाहते हैं ताकि 2G जैसे घोटाले फिर हो सकें, हम मजबूत सरकार चाहते हैं ताकि देश का हर व्यक्ति डिजिटल इंडिया मिशन का लाभ उठा सके।

वो मजबूर सरकार चाहते हैं ताकि अंतरिक्ष में घोटाला किया जा सके, हम मजबूत सरकार चाहते हैं ताकि हम गगनयान प्रक्षेपित कर सकें।

वो मजबूर सरकार चाहते हैं ताकि खदानों की नीलामी में लूट किया जा सके, हम मजबूत सरकार चाहते हैं ताकि हम खदानों की पारदर्शी नीलामी से प्राप्त आय को आदिवासियों के कल्याण के लिए खर्च कर सकें।

वो मजबूर सरकार चाहते हैं ताकि एम्बुलेंस में घोटाले किये जा सकें, हम मजबूत सरकार चाहते हैं ताकि हम आयुष्मान भारत योजना से देश के 50 करोड़ गरीबों का स्वास्थ्य खर्च वहां कर सकें।

मातृशक्ति के सम्मान के लिए कटिबद्ध

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि हर क्षेत्र में विकास के प्रति केंद्र सरकार पूरी तरह से समर्पित है। उन्होंने कहा कि हमारी बेटियां सक्षम हैं और शक्ति का रूप भी। यही कारण है कि भारत के इतिहास में पहली बार सशस्त्र बलों में बेटियों की भागीदारी सुनिश्चित हो रही है, बेटियां फाइटर प्लेन उड़ा रही हैं। उन्होंने कहा कि हम बेटियों के सशक्तिकरण के लिए काम कर रहे हैं लेकिन विपक्ष 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का मजाक उड़ा रही है।

किसानों के कल्याण के लिए समर्पित केंद्र सरकार

किसानों की समस्या पर बोलते हुए श्री मोदी ने कहा कि जब हम किसानों की समस्या के समाधान की बात करते हैं तो पहले की सच्चाइयों को स्वीकार करना जरूरी है। पहले जिनके पास किसानों की समस्याओं का हल निकालने का जिम्मा था, उन्होंने शॉर्टकट निकाले, उन्होंने किसानों को सिर्फ मतदाता बना रखा। हम अन्नदाता को ऊर्जादाता भी बनाना चाहते हैं। हमारी सरकार ने स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को न सिर्फ लागू किया, बल्कि यह भी सुनिश्चित किया कि किसानों को एमएसपी का डेढ़ गुना दाम मिले। पहले दाल की कीमतों को लेकर हो-हल्ला मचाया जाता था। अब कितने दिन हो गए कि टीवी पर दाल की कीमतों पर कोई ब्रेकिंग न्यूज नहीं आई। यह इसलिए संभव हुआ क्योंकि हमारी सरकार ने इसके लिए नई नीतियां बनाईं। उन्होंने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि कांग्रेस की यूपीए सरकार ने अपने आखिरी पांच साल में किसानों से 7 लाख मीट्रिक टन दलहन और तिलहन की खरीद की, जबकि हमने बीते साढ़े चार साल में ही 95 लाख मीट्रिक टन दलहन और तिलहन किसान से खरीदी। उन्होंने कहा कि हम किसानों की आय को दुगुना करने के लिए सतत प्रयत्नशील हैं। हम समस्याओं को चुनौतियों की तरह लेते हैं। उन्होंने कहा कि हमने किसानों की समस्या के समाधान के लिए शॉर्ट टर्म की जगह लॉन्ग टर्म और कठिन डगर को चुना है। इसमें समय तो लगता है लेकिन इससे निकला हल स्थायी होता है। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए हम और भी बहुत-कुछ करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि अन्नदाता को हम नई ऊर्जा का नया वाहक बनाना चाहते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय परिषद में किसान, गरीब और वर्तमान राजनीति से जुड़े प्रस्ताव रखे गए हैं। हमारी कोशिश होनी चाहिए कि हमें इन प्रस्तावों में लिखी एक-एक बात याद हो और ये बातें घर-घर तक पहुंचनी चाहिए। ■

मोदी सरकार की नीतियों से गरीब और मध्यम वर्ग को सबसे ज्यादा फायदा कैसे हुआ?

अरुण जेटली

आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए आरक्षण

आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को आरक्षण देने के लिए संवैधानिक संशोधन विधेयक संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित कर दिया गया है। यह जल्द ही भारत के संविधान का एक हिस्सा बन जाएगा। जैसा कि हम जानते है कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के मामले में जाति को सामाजिक उत्पीड़न के प्रमुख कारकों के रूप में देखा जाता रहा है। ऐसे ही पिछड़ा वर्ग के मामले में सामाजिक और शैक्षणिक पिछड़ेपन का कारक भी जाति को ही माना जाता है। हालांकि, गरीबी को एक धर्मनिरपेक्ष मानदंड माना जा सकता है। इस मापदंड को देखा जाए तो इसमें समुदाय और धर्मों के नाम पर अंतर नहीं किया जा सकता। गरीबी का मापदंड किसी भी तरह से संविधान की मूल संरचना का उल्लंघन नहीं करता है। मूल संविधान (गैर—संशोधित) की प्रस्तावना में राजनीतिक, सामाजिक या आर्थिक मामलों के तहत सभी के लिए अवसर और न्याय की समानता को राज्य द्वारा सुनिश्चित किए जाने का उल्लेख मिलता है। यह प्रस्तावना संविधान के निर्माताओं की मंशा को व्यक्त करती है। यह संविधान की मूल संरचना की व्याख्या करती है। सामान्य गैर-आरक्षित श्रेणियों के गरीबों को 10 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किसी भी प्रकार से सर्वोच्च न्यायालय द्वारा तय 50 प्रतिशत आरक्षण का उल्लंघन नहीं करता है। इंद्रा साहनी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा था कि 50 प्रतिशत मानदंड संविधान के अनुच्छेद 16 (4) में परिकल्पित जाति आधारित आरक्षणों पर ही लागू होता है। बहरहाल, प्रधानमंत्री द्वारा गरीबी आधारित आरक्षण को लागू करने का निर्णय सामान्य वर्ग में मौजूद गरीब परिवारों के प्रति उनकी चिंता को दर्शाता है और इसे समय की मांग कहना भी गलत नहीं होगा। इस मुद्दे पर प्रमुख विपक्षी दलों ने केवल सहानुभूति दिखाई और आधे—अधूरे मन से इसमें खामियां गिनाते हुए इस निर्णय का समर्थन किया।

गरीबों के लिए आर्थिक कदम

मोदी सरकार ने हर ग्रामीण गरीब परिवार को घर देने का वादा किया है। वर्तमान में ग्रामीण भारत में प्रति वर्ष लगभग 50 लाख घर बनाए जा रहे हैं। 2022 तक हर गरीब परिवार के सिर पर छत होगी। अधिकांश भारतीय गांवों को पक्की सड़क से जोड़ा गया है। एनडीए सरकार के शासन में राज्य के वित्त पोषण को प्रति वर्ष 9,000 करोड़ रुपये (यूपीए) से बढ़ाकर 27,000 करोड़ रुपये कर दिया गया है। प्रत्येक गांव का विद्युतीकरण किया गया है और सभी ऐसे इच्छुक परिवारों, जो बिजली के कनेक्शन का खर्च वहन नहीं कर सकते थे, उनको भी कनेक्शन दिया गया है। ग्रामीण स्वच्छता 39% से बढ़कर 98% हो गई है। परंपरागत तौर पर कोयले और लकड़ी पर खाना बनाने के तरीके को रसोई गैस से बदल दिया गया है। गरीबों को उज्जवला योजना के तहत गैस कनेक्शन उपलब्ध कराया जा रहा है। मनरेगा योजना के लिए 60,000 करोड़ रुपए से अधिक आवंटित किया गया है, जो यूपीए द्वारा खर्च की गई राशि का दोगुना है। सार्वभौमिक स्वास्थ्य योजना - 'आयुष्मान भारत' के तहत भारत की 40% आबादी को स्वास्थ्य लाभ देने का लक्ष्य रखा गया है। इसमें उनको रखा गया है, जो आर्थिक ढांचे के सबसे निचले पायदान

पर मौजूद हैं। ऐसे परिवारों को प्रति परिवार प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक का कवरेज और अस्पताल में मुफ्त इलाज का लाभ इस योजना के माध्यम से दिया जा रहा है।

सरकार ने ब्याज सबवेंशन पर खर्च को दोगुना करने के साथ ही 99 अधूरी सिंचाई योजनाओं को पूरा करने और किसान को फसल बीमा योजना देने का काम किया है। वहीं, अधिसूचित फसलों के लिए लागत से 50% अधिक न्यूनतम समर्थन मूल्य तय करके किसान की मदद की अपनी प्रतिबद्धता को जाहिर किया है। बेशक, किसानों को अधिक सहयोग की आवश्यकता है और हमारी सरकार उसके लिए प्रतिबद्ध है।

मैंने अपने एक हालिया लेख में, सरकार द्वारा लेबर, ग्रेच्युटी, बोनस, न्यूनतम मजदूरी में वृद्धि, ईएसआई, सामाजिक क्षेत्र पेंशन, आंगनवाड़ियों और आशा कार्यकर्ता आदि के प्रावधानों में सुधार/उदार बनाने के संदर्भ में उठाए गए कदमों पर प्रकाश डाला है। पढ़ें ब्लॉग दिनांक (9.1.2019)।

मध्यम वर्ग

भारत के मध्यम वर्ग की बात करे तो पिछले पांच वर्षों कोई भी नया टैक्स नहीं लगाया गया है। अप्रत्यक्ष करों को GST में एक समावित कर एक टैक्स बना दिया गया है। GST भारत में सबसे महत्वपूर्ण 'उपभोक्ता अनुकूल उपाय' है। अधिकांश वस्तुओं के करों में कमी लाई गई है। दरों को सस्ता कर दिया गया है, भले ही इन संशोधन से सरकार के राजस्व में कमी आयी हो। इन कदमों के बाद सरकार को लगभग एक लाख करोड़ राजस्व का नुकसान उठाना पड़ रहा है। इसी तरह, हर बजट में छोटे करदाताओं को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों में राहत मिली है। भले ही 2.5 लाख रुपये की आय पर टैक्स का प्रावधान रखा गया है, लेकिन 3 लाख रुपये तक की आय वालों को कोई टैक्स नहीं देना होता है। इसके लिए सभी कर्मचारियों को रु 40,000/- टैक्स बचत का प्रावधान किया गया है। इसी तरह, आवास, बीमा और अन्य बचत स्कीमों में निवेश पिछले चार वर्षों में बढ़ाए गए हैं। इसके चलते सरकारी खजाने पर लगभग 97000 करोड़ रुपए प्रतिवर्ष अतिरिक्त भार वहन करना पड़ रहा है। यह पहली बार है कि किसी सरकार के पांच वर्ष के कार्यकाल के दौरान मध्यम वर्ग के कर दाता का टैक्स बोझ बढ़ाए बिना प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों टैक्सों में रु 2 लाख करोड़ की वार्षिक छूट दी गई है।

आवास के लिए मध्यम वर्ग को मिलने वाली सब्सिडी को उदार बनाया गया है। हमारी सरकार के पांच साल के कार्यकाल के दौरान मुद्रास्फीति को 3-4% पर बनी रही, जो यूपीए–2 में 10.4% थी। सरकारी कर्मचारियों को सातवें वेतन आयोग के त्वरित कार्यान्वयन से लाभ हुआ है, सैनिकों को ओआरओपी के कार्यान्वयन से लाभ हुआ है, पेंशनधारियों को नई पेंशन योजना से लाभ हुआ है। सरकार के योगदान को 10% से बढ़ाकर 14% किया जा रहा है, वहीं सेवा निवृत्ति पर मिलने वाली 60% राशि पर भी रियायत दी जा रही है।

आवास के लिए मध्यम वर्ग को मिलने वाली सब्सिडी को उदार बनाया गया है। हमारी सरकार के पांच साल के कार्यकाल के दौरान मुद्रास्फीति को 3-4% पर बनी रही, जो यूपीए—2 में 10.4% थी। सरकारी कर्मचारियों को सातवें वेतन आयोग के त्वरित कार्यान्वयन से लाभ हुआ है, सैनिकों को ओआरओपी के कार्यान्वयन से लाभ हुआ है, पेंशनधारियों को नई पेंशन योजना से लाभ हुआ है। सरकार के योगदान को 10% से बढ़ाकर 14% किया जा रहा है, वहीं सेवा निवृत्ति पर मिलने वाली 60% राशि पर भी रियायत दी जा रही है।

यह सभी उपाय गरीबों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का एक तरीका है। उनकी क्रय शक्ति में सुधार हुआ है। यह तरीका व्यापारियों के लिए भी मददगार साबित होता है, जो अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव डालता है। हमारा पांच वर्ष का कार्यकाल किसी भी सरकार का पहला कार्यकाल है, जिसमें भारत लगातार दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है। यह वास्तव में हर भारतीय - गरीब, नव-मध्यम वर्ग, मध्य वर्ग और निश्चित रूप से बड़े व्यापारिक समुदाय की मदद करता है। ■

(लेखक केंद्रीय वित्त मंत्री है)

शिवराज सिंह चौहान, रमण सिंह और वसुंधरा राजे बने भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने 10 जनवरी 2019 को मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री क्रमशः श्री शिवराज सिंह चौहान, डॉ. रमण सिंह एवं श्रीमती वसुंधरा राजे को पार्टी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया।

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बने

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

नाम : .....

पूरा पता : .....

.....

..... पिन : .....

दूरभाष : ..... मोबाइल : (1)..... (2).....

ईमेल : .....

सदस्यता						
	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/-	☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/-	☐

(भुगतान विवरण)

चैक/ड्राफ्ट क्र. :..... दिनांक :..... बैंक : .....

नोट : डीडी / चैक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003

फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

कमल संदेश: राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

गाजीपुर (उत्तर प्रदेश) में मेडिकल कॉलेज की आधारशिला रखते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और साथ में अन्य वरिष्ठ नेतागण

अंडमान व निकोबार द्वीप समूह स्थित पोर्ट ब्लेयर के मरीना पार्क पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

सोलापुर (महाराष्ट्र) में विभिन्न विकास परियोजनाओं को समर्पित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और साथ में केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी व अन्य नेतागण

पलामू (झारखांड) में विभिन्न विकास परियोजनाओं का आधारशिला/शुभारंभ करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी व झारखंड के भाजपा नेतागण

भुवनेश्वर (ओडिशा) में आईआईटी भुवनेश्वर कैम्पस का शुभारंभ तथा पाइक विद्रोह पर सिक्का जारी करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, ओडिशा के मुख्यमंत्री व अन्य

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली **"रजिस्टर्ड"**
36 पृष्ठ कवर सहित

आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2018-20
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2018-19